दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-33 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 11 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

प्रदेश के कई शहरों में कमर्शियल LPG की सप्लाई रोकी, घरेलू एलपीजी की बुकिंग बढ़ी

भोपाल (ए.)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध का असर मध्य प्रदेश में भी देखा जा रहा है। कई शहरों में कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति रोक दी गई है। घरेलू एलपीजी की बुकिंग भी बढ़ गई है। भोपाल में कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई सोमवार से तो इंदौर में बुधवार से बंद की गई। इंदौर के अधिकारियों का दावा है कि कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति बंद करने का निर्णय इसलिए किया गया है ताकि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति निर्बाध बनी रहे। घरेलू एलपीजी की बुकिंग भी अब 25 दिन के बाद ही हो सकेगी।

घरेलू उपभोक्ताओं में चिंता और बुकिंग में उछाल

महाकोशल-विंध्य के जिलों में घरेलू एलपीजी को लेकर लोगों में चिंता नजर आने लगी है। हालांकि अभी कहीं कतार लगने जैसी स्थिति नहीं है। इस बीच मालवा-निमाड़ अंचल के अधिकांश जिला कलेक्टरों ने स्पष्ट किया है कि इंटरनेट मीडिया और अन्य माध्यमों से जो सूचनाएं फैल रही हैं, वे भ्रामक हैं। जिलों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और नियमित आपूर्ति जारी है। अधिकारियों ने अपील की है कि घबराकर जमाखोरी न करें, इससे कृत्रिम संकट पैदा हो सकता है। उपभोक्ता भी सतर्क होने लगे हैं। भोपाल संभाग में घरेलू सिलेंडरों की बुकिंग में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है।महीने में एक गैस सिलेंडर मिलने का आदेश आने के बाद अधिक खर्च वाले लोग परेशान हैं। जिनके पास सिंगल गैस कनेक्शन हैं, उनकी चिंता बढ़ी हुई है। अधिकारियों का दावा है कि घरेलू गैस उपभोक्ताओं को दिक्कत नहीं होगी। इंदौर में बुधवार से कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि घरेलू सिलेंडर की आपूर्ति निर्बाध बनी रहे।

प्रदेश में उपलब्ध हैं आपूर्ति के सभी संसाधन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आपूर्ति में नहीं है कोई परेशानी

भोपाल (निप्र.) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में आपूर्ति व्यवस्था में कहीं किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं है। सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति संसाधन उपलब्ध हैं। किसी को भी खाद्य पदार्थ, गैस या तेल आपूर्ति के लिए परेशान या पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रदेश में बेहतर से बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार परिस्थितियों पर गहनता से नजर बनाए हुए हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में देश के साथ मध्यप्रदेश में भी कहीं कोई आपूर्ति संबंधित दिक्कत नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में खाड़ी देशों में उपजी विषम परिस्थितियों के मद्देनजर मध्यप्रदेश में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक की।

एमपी में भीषण सड़क हादसे में 4 मौत

कटनी (आरएनएस)। जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर जगतपुर उमरिया के समीप एक तेज रफ्तार कार और बाइक में सीधी भिड़ंत में चार युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए।मोटरसाइकिल पर सवार चार युवक कटनी से उमरिया की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जगतपुर उमरिया ग्राम के समीप चपहनी मोड़ के पास पहुंची, विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार से सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और राहत और बचाव में जुटे।

नई दिल्ली में चीनी दूतावास के पास 67वें राष्ट्रीय विद्रोह दिवस के मौके पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने तिब्बती यूथ कांग्रेस के एक सदस्य को हिरासत में ले लिया।

लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने का प्रस्ताव पेश, चर्चा के लिए 10 घंटे तय

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में मंगलवार को उस समय जोरदार बहस छिड़ गई जब कांग्रेस ने स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव के पेश होते ही सदन में प्रक्रिया और नियमों को लेकर तीखी नोकझोंक देखने को मिली और आखिरकार सदन ने इस प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति दे दी। इस मुद्दे पर 10 घंटे की बहस तय की गई।कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने औपचारिक रूप से यह प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव पर 118 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर हैं। विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर ने सदन की कार्यवाही के दौरान 'पक्षपातपूर्ण रवैया' अपनाया है। विपक्ष का कहना है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी गई, जिसे लेकर असंतोष बढ़ा। प्रस्ताव पेश होने के बाद सदन में एक नया विवाद खड़ा हो गया। सवाल यह उठा कि जब स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन है, तब सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कौन करेगा। उस समय सदन की कार्यवाही जगदंबिका पाल की अध्यक्षता में चल रही थी।इस मुद्दे पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया। ओवैसी ने संसदीय नियमों का हवाला देते हुए कहा कि जब स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव चर्चा में हो, तो स्पीकर या उनके द्वारा नामित व्यक्ति को कार्यवाही नहीं चलानी चाहिए।

आतंकी गतिविधियों में संलिप्त तीन कर्मचारियों को जम्मू-कश्मीर सरकार ने किया बर्खास्त

श्रीनगर(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने जलशक्ति विभाग से जुड़े तीन कर्मचारियों को राष्ट्र-विरोधी और आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने के बाद बर्खास्त कर दिया है। जम्मू-कश्मीर सरकार के जलशक्ति विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया कि अनंतनाग जिले के बिजबेहरा निवासी अस्थायी कर्मचारी शौकत अहमद जरगर पर कार्रवाई की गई है। 2019 में दर्ज मामले में संलिप्तता के कारण शौकत अहमद को सेवामुक्त किया गया है। कथित आतंकवादी गतिविधियों और साजिश से संबंधित इस मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद वर्तमान में सुनवाई चल रही है। अलग आदेशों में सरकार ने किश्तवाड़ जिले के अस्थायी कर्मचारी लियाकत अली भगवान और कौसर हुसैन भगवान को भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के कारण सेवामुक्त कर दिया है।

सेना की बड़ी कामयाबी

फिर नापाक साजिश नाकाम, एक आतंकी ढेर, दूसरे की तलाश जारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

जम्मू-कश्मीर के राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की एक कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।अधिकारियों के अनुसार खुफिया एजेंसियों से मिले विश्वसनीय इनपुट के आधार पर मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे नौशेरा के झांगर इलाके में एलओसी के पास दो आतंकियों की संदिग्ध गतिविधि देखी गई। इसके बाद सतर्क सैनिकों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इलाके में ऑपरेशन शुरू किया।

बजट सत्र के दूसरे चरण के दूसरे दिन संसद में विपक्ष और केंद्र सरकार के बीच तीखी झड़प

राहुल गांधी का आरोप पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चर्चा से भाग रही सरकार

नई दिल्ली,(ए.)। बजट सत्र के दूसरे चरण के दूसरे दिन, मंगलवार को संसद में विपक्ष और केंद्र सरकार के बीच तीखी झड़प देखने को मिली। विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार की सीढ़ियों पर विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने बैनर और पोस्टर पकड़े हुए थे, इन पोस्टर पर लिखा था प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं और जिसमें प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ तस्वीरें थीं। इस विरोध में वे सांसद भी शामिल थे जिन्हें बजट सत्र के पहले चरण में असभ्य व्यवहार के कारण निलंबित किया था। सदनों की कार्यवाही शुरू होने पर, भाजपा सांसद संध्या राय ने लोकसभा की अध्यक्षता की और उच्च सदन में अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने कार्यवाही संभाली। विपक्षी सांसदों ने सदन में तख्तियां दिखाई और जोरदार नारे लगाए।

इसके पहले, लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार पश्चिम एशियाई संकट पर चर्चा से भाग रही है। उनका कहना था कि इससे खुलासा होगा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका और इज़राइल के साथ किस तरह समझौते कर चुके हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यह संकट देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। तेल की कीमतों में वृद्धि और शेयर बाजार पर प्रभाव जैसे मुद्दे सीधे जनता को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि पश्चिम एशिया और आर्थिक तबाही जनता के लिए महत्वपूर्ण हैं, तब केंद्र सरकार इस पर चर्चा क्यों टाल रही है। सत्र में विपक्षी सांसदों की इस सक्रियता ने साफ कर दिया कि बजट सत्र सिर्फ वित्तीय मुद्दों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विदेश नीति और आर्थिक असर जैसे संवेदनशील विषयों पर भी जनता के सामने बहस होगी।

मध्य प्रदेश के कई शहरों में दिन के समय 'लू' जैसी स्थिति, तापमान सामान्य से 4.6 डिग्री ज्यादा

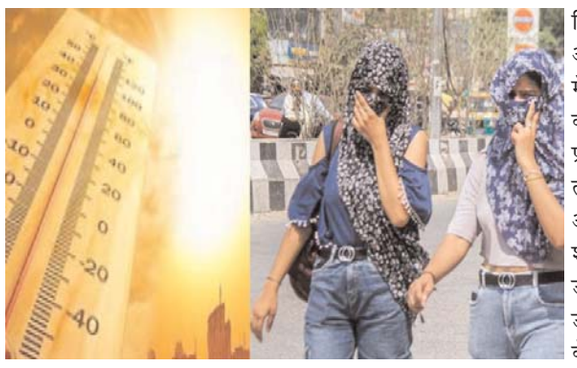

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में इन दिनों मौसम का दोहरा असर देखने को मिल रहा है। दिन के समय तेज धूप और गर्मी के कारण तापमान 39 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जबकि रात और सुबह हल्की ठंडक बनी हुई है। सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर सहित कई शहरों में दिन के समय 'लू' जैसी गर्मी महसूस की गई। आज मंगलवार को भी तेज गर्मी रहने की संभावना जताई गई है।मौसम विभाग के अनुसार, इस साल मार्च में पिछले साल की तुलना में ज्यादा गर्मी दर्ज की जा रही है। भोपाल, इंदौर और रीवा-शहडोल संभाग में अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 1.9 से 2.7 डिग्री तक अधिक है। वहीं ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में तापमान सामान्य से 3.1 से 4.6 डिग्री तक ज्यादा रिकॉर्ड किया गया है। प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्सों में दिन का तापमान 35 डिग्री या उससे अधिक बना हुआ है। मार्च के पहले पखवाड़े में ही कई शहरों में तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया है। सोमवार को रतलाम प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा खजुराहो, धार, गुना, दमोह, सागर, श्योपुर और मंडला में तापमान 38 डिग्री या उससे ज्यादा रहा। बड़े शहरों में ग्वालियर और उज्जैन सबसे गर्म रहे, जहां तापमान 37 डिग्री के पार पहुंच गया। भोपाल में 36.8 डिग्री, इंदौर में 36.4 डिग्री और जबलपुर में 36 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार हवा की दिशा में बदलाव के कारण गर्मी जल्दी बढ़ रही है। पहले हवाएं उत्तर-पूर्व दिशा से चल रही थीं, लेकिन अब उनका रुख पश्चिम और उत्तर-पश्चिम की ओर हो गया है। साथ ही हवा में नमी कम होने और रेगिस्तानी इलाकों से आने वाली गर्म हवाओं के कारण तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

पारिस्थितिक कूटनीति से विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है भारत : माया नारोलिया

यूपीए की तुलना में बजट में भारी बढ़ोतरी, बाघों के संरक्षण में भारत ने रचा इतिहास
इंदौर बना देश का पहला रामसर वेटलैंड सिटी, मध्य प्रदेश के गौरव पर सांसद ने जताया हर्ष

नर्मदापुरम (ए.)। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने उच्च सदन में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान मोदी सरकार की नीतियों का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत केवल अपनी सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि पारिस्थितिक कूटनीति (Ecological Diplomacy) के माध्यम से संपूर्ण विश्व को पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा दिखा रहा है। बजटीय दूरदर्शिता और ठोस कार्ययोजना बताते हुए सदन को संबोधित करते हुए श्रीमती नारोलिया ने पिछले एक दशक में हुए क्रांतिकारी बदलावों के आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने तुलनात्मक विवरण देते हुए बताया कि वर्ष 2012-13 में जहाँ इस मंत्रालय का बजट मात्र 2,430 करोड़ था, वहीं 2026-27 के लिए इसे बढ़ाकर 3,759.46 करोड़ कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वृद्धि केवल वित्तीय विस्तार नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का परिचायक है।मध्य प्रदेश का वैश्विक मान: इंदौर की उपलब्धि पर सांसद नारोलिया ने विशेष रूप से मध्य प्रदेश की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि 2014 में देश में केवल 26 रामसर स्थल (आर्द्रभूमि) थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 98 हो गई है। उन्होंने गर्व के साथ सदन को अवगत कराया कि वर्ष 2025 में इंदौर को भारत का पहला रामसर वेटलैंड सिटी नामित किया गया है, जो जलाशयों के संरक्षण की दिशा में एक मील का पत्थर है। वन्यजीव और वनीकरण में विश्व गुरु की भूमिका निभाते हुए ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट 2025 का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि शुद्ध वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में भारत आज विश्व में तीसरे स्थान पर है। बाघों के संरक्षण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व के 75 प्रतिशत जंगली बाघ अब भारत में सुरक्षित हैं, जिनकी संख्या 1,706 (2010) से बढ़कर अब 3,682 हो गई है।नर्मदापुरम और विकास का संतुलन बताते हुए गृह क्षेत्र नर्मदापुरम (होशंगाबाद) का उल्लेख करते हुए सांसद ने कहा कि माँ नर्मदा की गोद और सतपुड़ा के अंचलों में नगर वन योजना के माध्यम से पर्यटन और पर्यावरण के बीच एक स्वस्थ संतुलन स्थापित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 654 करोड़ के निवेश से देशभर में 620 शहरी वन विकसित किए जा रहे हैं, जिसका सीधा लाभ उनके संसदीय क्षेत्र जैसे वनाच्छादित अंचलों को मिल रहा है।प्रदूषण नियंत्रण और जनभागीदारी की दिशा में श्रीमती नारोलिया ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम और एक पेड़ माँ के नाम जैसे अभियानों की सफलता साझा की। उन्होंने बताया कि 2025 के अंत तक 262.4 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। साथ ही, मिशन LiFE के जरिए 6 करोड़ से अधिक लोग अपनी जीवनशैली को पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। अंत में, उन्होंने कचरा प्रबंधन और बायो ई3 नीति के माध्यम से 2030 तक 300 अरब डॉलर की जैव-अर्थव्यवस्था के लक्ष्य का पुरजोर समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त की।

बसंत और फाग की संस्कृति के साथ आज होगा रंगोत्सव

नर्मदापुरम (निप्र)। फाग,बसंत एवं होली की उत्सवी संस्कृति के साथ गीत, संगीत एवं नृत्य से सजे इस रंग और उल्लास के इस उत्सव का आयोजन सोल फाउंडेशन भारत एवं साथी जनशिक्षण एवं संस्कृति समिति नर्मदापुरम के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम के सहयोग से किए जा रहे इस रंगोत्सव में नैतिक सिंह राजपूत, दीपक सिंह पोरवाल लखनऊ का गायन होगा। ओ. पी. शर्मा, आनंद नामदेव, आदित्य परसाई एवं समूह का फाग गायन, शिव शक्ति भजन मंडल की होरी लोकगीत, धन्या दायमा और टिशु किरार का राधा कृष्ण नृत्य, प्रकृति दायमा का मंगल गाओ नृत्य, रेखा दायमा द्वारा होली नृत्य होगा। चारु नृत्यभूमि कथक कला केंद्र, सीहोर से श्री मती चारूलता चौरे एवं समूह, द्वारा फागुन रासरंग नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी एवं त्रिदेवाशीष नृत्य एवं नाट्य अकादमी लखनऊ की सुश्री तनुजा ओली सनवाल एवं समूह होली महारास नृत्य प्रस्तुत करेंगे। राधा कृष्ण भजन मंडल उमरखेड़ी के नवल सिंग पटेल एवं समूह फाग लोकगीत की प्रस्तुति देंगे। इस रंगोत्सव को प्रारंभ करने का प्रमुख उद्देश्य बसंत, फाग एवं होली की उत्सवी संस्कृति को संजोना एवं लोगों से परिचय के साथ साथ इसे सुरक्षित रखना है। सभी के सहयोग से ही इस आयोजन को सम्पन्न किया जाएगा। रत्नेश साहू, संजय श्रोतिय, हितेश मेहरा,अनिल राठौर, चैन सिंह मीना, प्रेम शंकर मांगरोल, मुकेश मालवीय, विमल सिंह राजपूत,मुवीन जी, असमादित्य तिवारी, अभिषेक अहिरवार, मनोज परसाई, मंगलेश सिंगारिया, आकाश शिवहरे, नितिन रोहर, अजीत सिंह राठौर, नर्मदा प्रसाद हरयाले आदि संयोजन समिति के कार्य को करेंगे।

कल्याणकारी योजनाओं सहित अन्य कार्यों के लिए 33 हजार 240 करोड़ रुपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश वृत्तिकर अधिनियम, 1995 के अंतर्गत नि:शक्त जन को वृत्तिकर से छूट को 31 मार्च, 2030 तक निरंतर किये जाने की स्वीकृति दी गयी गई है।

मंत्रि-परिषद द्वारा एक जिला-एक उत्पाद परियोजना अंतर्गत चयनित 07 जिलों में पारंपरिक व विशिष्ट उत्पाद के सरंक्षण, विकास और विपणन हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए आगामी 5 वर्षों में 37.50 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस परियोजना में चयनित 07 जिलों में सीधी जिले में दरी एवं कारपेट, दतिया में गुड़, अशोकनगर में चंदेरी, हाथकरघा वस्त्र, भोपाल मे जरी-जरदोजी एवं जूट उत्पाद (जैसे पर्स आदि), धार में बाग प्रिंट, सीहोर में लकड़ी के खिलौने तथा उज्जैन में बटिक प्रिंट में आगामी 5 वर्षों के लिए 37.50 करोड़ रूपये की डी.पी.आर, तैयार की गयी है। इस परियोजना से स्थानीय शिल्पकारों, बुनकरों और कारीगरों को प्रशिक्षण, डिजिटलीकरण, ब्रांडिंग, विपणन तथा बाजार उपलब्धता जैसी सुविधायें प्रदान की जाएगी। यह परियोजना प्रदेश में स्थानीय उद्यमिता को बढावा, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।मंत्रि-परिषद ने चितरंगी जिला सिंगरौली में व्यवहार न्यायालय की स्थापना के लिए व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड का एक नवीन पद और उनके कार्यालयीन अमले के लिए तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 6 नवीन पद सहित कुल 7 नवीन पदों का सृजन किये जाने की स्वीकृत प्रदान की है। मंत्रि-परिषद ने भारत सरकार के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (इएसआईसी) द्वारा मैहर (जिला-मैहर), कैमोर (जिला कटनी), तथा निमरानी (जिला खरगौन) में 3 नये औषधालयों को खोलने एवं चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ के 51 पदों का सृजन की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मैहर, कैमोर तथा निमरानी में नये कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय खोलने एवं नये पद सृजित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इससे रजिस्टर्ड 15,686 श्रमिकों एवं उन पर आश्रित लगभग 62,744 परिजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

सिंगरौली में कनिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश सहित 7 पदों की स्वीकृति

मैहर, कैमोर और निमरानी में 3 नये औषधालयों को मंजूरी

भोपाल(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने कल्याणकारी योजनाओं सहित विभिन्न 7 विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं की आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के लिए लगभग 33 हजार 240 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री यंग इंटनर्स फॉर गुड-गवर्नेंस प्रोगाम को भी मंजूरी दी है। सिंगरौली के चितरंगी में कनिष्ठ व्यवहार न्यायाधीश सहित कुल 7 नवीन पदों के सृजन की भी मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने मैहर, कैमोर जिला कटनी और निमरानी जिला खरगोन में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के 3 औषधालय खोलने सहित चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ के 51 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गयी है। मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री यंग इंटर्नस फॉर गुड-गवर्नेंस प्रोग्राम को 3 वर्ष के लिए क्रियान्वयन के लिए लगभग 190 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। लोक सेवा प्रबंधन विभाग को अग्रिम कार्यवाही तथा प्रक्रिया निर्धारण कर नियमों एवं निर्देशों को जारी कर क्रियान्वयन के लिए अधिकृत किया गया है।

नि:शक्त जन को वृत्तिकर से छूट की निरंतरता कीस्वीकृति

चार प्रमुख क्रिकेट प्रतियोगिताओं में डीजीपी इलेवन का शानदार प्रदर्शन, सभी में विजेता बनकर बढ़ाया मध्यप्रदेश पुलिस का गौरव

डीजीपी इलेवन टीम ने पुलिस मुख्यालय में डीजीपी कैलाश मकवाणा से की सौजन्य भेंट

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस की डीजीपी इलेवन क्रिकेट टीम ने वर्तमान खेल सत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चार प्रमुख क्रिकेट प्रतियोगिताओं में विजेता बनकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर डीजीपी इलेवन टीम के खिलाड़ियों ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर डीजीपी श्री मकवाणा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके अनुशासन, टीम भावना और खेल के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कर्तव्यों के साथ-साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं, जो संगठन के लिए गर्व की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि डीजीपी इलेवन टीम ने इस सत्र में आयोजित चार प्रमुख क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए सभी में विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। टीम ने हमीदिया कप टी-10 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में गिल्ट फ्री टीम को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। इस मैच में डीजीपी इलेवन की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विशाल भदौरिया को मैन ऑफ द फाइनल चुना गया। इसी प्रकार टीम ने 5वीं स्व. श्री हुकुम सिंह ठाकुर स्मृति डिपार्टमेंटल क्रिकेट प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए नगर निगम कमिश्नर एकादश को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया।

उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार से भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी रजत पाटीदार ने सौजन्य भेंट की।

महापौर श्रीमती राय ने किया महिला शिक्षिकाओं का सम्मान

भोपाल(ए.)। महापौर श्रीमती मालती राय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ में आयोजित कार्यक्रम में महिला शिक्षिकाओं का सम्मान किया। महापौर श्रीमती मालती राय ने मंगलवार को बैरागढ़ स्थित संत हिरदाराम सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में महिला शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। महापौर श्रीमती राय ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला शिक्षिकाओं का सम्मान मेरे लिए सौभाग्य की बात है। श्रीमती राय ने उपस्थितजन को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य राजेश हिंगोरानी के अलावा आयोजक संस्था नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी सहित बड़ी संख्या में महिला शिक्षिकाएं, गणमान्य नागरिक व आयोजक संस्था के पदाधिकारी मौजूद थे।

20 से 100 प्रतिशत तक महंगी होगी प्रॉपर्टी

- राजधानी में 500 से अधिक लोकेशन पर नई कलेक्टर गाइडलाइन लागू करने की तैयारी

भोपाल (ए.)। भोपाल में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तैयार की गई कलेक्टर गाइडलाइन में कई क्षेत्रों में प्रॉपर्टी की कीमतों में भारी वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। शहर की करीब 500 से अधिक लोकेशन पर जमीन और प्रॉपर्टी के दामों में 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की तैयारी की गई है। हालांकि नई गाइडलाइन में लोकेशन की संख्या घटाकर 2,175 कर दी गई है, जबकि वर्तमान गाइडलाइन में 2,881 लोकेशन शामिल थीं। कई क्षेत्रों में सरकारी परियोजनाओं के कारण कीमतों में वृद्धि प्रस्तावित नहीं की गई है।

नई कलेक्टर गाइडलाइन में कुल 706 लोकेशन कम कर दी गई हैं। पहले जहां 2,881 लोकेशन शामिल थीं, वहीं अब केवल 2,175 लोकेशन को ही गाइडलाइन में रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार कई क्षेत्रों में सरकारी परियोजनाएं शुरू होने के कारण वहां किसी प्रकार की वृद्धि प्रस्तावित नहीं की गई है।कलेक्टर गाइडलाइन के प्रस्ताव के अनुसार शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में प्रॉपर्टी के दामों में बड़ी वृद्धि की तैयारी है। करोंद, पलासी, गांधीनगर, बैरागढ़, परवलिया सडक़, अयोध्या बायपास, आनंद नगर, रातीबड़, नीलबड़ और कोलार सहित कई क्षेत्रों में जमीन की कीमतों में 20 से 100 प्रतिशत तक वृद्धि प्रस्तावित की गई है।

कल्याण नगर में पाइपलाइन लीकेज से जलप्रदाय प्रभावित, निगम टैंकरों से करा रहा आपूर्ति

भोपाल(ए.)। नगर निगम भोपाल ने यूनियन कार्बाइड के पीछे स्थित कल्याण नगर क्षेत्र में पुरानी पाइपलाइन में लीकेज की समस्या के चलते प्रभावित इलाकों में टैंकरों के माध्यम से जलप्रदाय की व्यवस्था की है।

निगम का कहना है कि पाइपलाइन में जहां-जहां रिसाव की शिकायत मिलती है, वहां तत्काल सुधार कार्य किया जा रहा है और जल की गुणवत्ता की नियमित जांच भी कराई जा रही है।

निगम अधिकारियों के अनुसार कल्याण नगर वार्ड क्रमांक 72 में पहले से बिछी जी.आई. पाइपलाइन काफी पुरानी हो चुकी है, जिसके कारण कई स्थानों पर लीकेज की स्थिति बन जाती है। ऐसी स्थिति सामने आने पर मरम्मत कार्य तुरंत कराया जाता है और जहां गंदे पानी की शिकायत मिलती है वहां अस्थायी रूप से जलप्रदाय बंद कर टैंकरों के माध्यम से शुद्ध पानी उपलब्ध कराया जाता है।जल गुणवत्ता की निगरानी के तहत क्षेत्र में अब तक 29 पानी के नमूनों की जांच की जा चुकी है। इनमें 12 जनवरी को 3, 18 जनवरी को 5, 21 जनवरी को 7, 7 फरवरी को 8, 16 फरवरी को 2 और 7 मार्च को 4 नमूनों का परीक्षण किया गया। निगम के अनुसार सभी परीक्षणों में पानी की गुणवत्ता मानक स्तर के अनुरूप पाई गई है।निगम ने बताया कि कल्याण नगर में 9 मार्च को चार और 10 मार्च को तीन टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की गई। इसी तरह राजहंस कॉलोनी, गोविंदपुरा की निजामुद्दीन कॉलोनी, फिजा कॉलोनी, अमन कॉलोनी, अटल अयूब नगर, आशियाना कॉलोनी, देवकी नगर, कोहेफिजा और शहीद नगर सहित अन्य क्षेत्रों में भी पानी की गुणवत्ता से संबंधित शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है।

भोपाल एयरपोर्ट पर एयरलाइंस नहीं दिखा रहीं रुचि

- समर शेड्यूल में एक भी नई लेट नाइट उड़ान नहीं

भोपाल (ए.)। इस माह के अंत से लागू हो रहे समर शेड्यूल में एक भी लेट नाइट उड़ान शामिल नहीं हो सकी है। एयरपोर्ट अथारिटी ने एयरलाइंस कंपनियों को टाइम लिमिट से हटकर 24 घंटे में किसी भी समय स्लाट देने की पेशकश की है। इसके बावजूद एयरलाइंस कंपनियां रुचि नहीं दिखा रही हैं। फिलहाल लेट नाइट उड़ान के रूप में केवल पुणे रूट पर एक उड़ान है। एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से लंबे समय से दिल्ली, मुंबई, कोलकात्ता एयरपोर्ट्स की तरह 24 घंटे उड़ान संचालन को बढ़ावा दे रही हैं, लेकिन एयरलाइंस कंपनियां इसमें रूचि नहीं ले रही हैं। राजा भोज एयरपोर्ट पिछले डेढ़ साल से 24 घंटे खुल रहा है। इस अवधि में इंडिगो ने ही एक स्थाई पुणे उड़ान प्रारंभ की। कुछ समय के लिए मुंबई उड़ान प्रारंभ हुई फिर बंद हो गई। भोपाल से बेंगलुरू के लिए लंबे अर्से से लेट नाइट उड़ान की जरूरत महसूस की जा रही है। इस रूट पर दो नियमित उड़ाने हैं इसके बावजूद सस्ते टिकट नहीं मिलते। लेट नाइट उड़ानों में आमतौर पर सस्ते किराये में सीटों की बुकिंग होती है।

जोमेटो डिलीवरी एजेंट की आड़ में रैकी कर सीरियल चैन स्नेचिंग करने वाले गिरफ्तार

- शराब, मंहगे शौक पूरा करने के लिये करते थे लूट और वाहन चोरी

- लूटी गई चैन भोपाल-रीवा के मुथूट गोल्ड फाइनेंस में रखी गिरवी

भोपाल(ए.)। राजधानी में सरेराह चैन लूट की वारदातो के बीच थाना अयोध्या नगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए शहर के अलग-अलग इलाको में लूट करने वाले सीरियल चैन स्नेचर गिरोह का भंडाफोड करते हुए 2 लुटेरो को गिरफ्तार किया है। शुरुआती पूछताछ में पुलिस ने चैन लूट और वाहन चोरी की 8 वारदातो का खुलासा करते हुए 17 लाख का माल बरामद किया है।

- मिनाल लूट के मामले में चढ़े पुलिस के हत्थे

थाना पुलिस के अनुसर 2 मार्च को फरियादी घनश्याम दास निवासी मिनाल रेसीडेन्सी अयोध्या नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की उसके घर के सामने न्यू मिनाल से उसकी मां गोमती भकौरिया के गले से दो अज्ञात बाइक सवार बदमाश सोने की चैन झपटकर भाग गये। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला कायम कर घटना स्थल के आसपास और संदेहियो के फरार होने वाले रास्तो पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आखिकार तकनीकी सुरागो ओर अतकनीकी की मदद से टीम ने दो संदिग्धो आकाश उर्फ अभिमन्यु सिंह पिता रागेन्द्र सिंह (22) स्थाई पता-ग्राम हर्दी थाना मनगवां जिला रीवा और निखिल शर्मा पिता दिनेश शर्मा (28) निवासी ए-8 भानपुर मल्टी छोला मंदिर भोपाल को घेराबंदी कर भानपुर मल्टी के पास से धर दबोचा।

- पूछताछ में इन अपराधो का हुआ खुलासा

पुलिसिया अंदाज में की गई पूछताछ में दोनो आरोपियो ने न्यू मिनाल से गोमती भकौरिया के गले से सोने की चैन लूट करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने जब अन्य वारदातो के बारे में पूछताछ की तब आरोपियो ने बताया की उन्होनें मिनाल क्षेत्र में और भी 3 चैन स्नेचिंग के साथ ही बागसेवनिया थाना इलाके में भी 3 चैन लूट सहित 1 वाहन चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

- जोमेटो डिलीवरी एजेंट बनकर करते थे रैकी

भोपाल और रीवा के मुथूट गोल्ड फाइनेंस में गिरवी रखा सोना

पुलिस ने बताया की शातिर आरोपी जोमेटो डिलीवरी एजेंट बनकर पहले तो इलाके में रैकी करते और फिर मौका पाकर वारदात को अंजाम देकर चंपत हो जाते थे। आरोपियो ने लूटी गई चैन भोपाल और रीवा स्थित मुथूट गोल्ड फाइनेंस में गिरवी रखने के साथ ही ज्वेलर्स का काम करने वाले भुवन सोनी पिता संतोष सोनी (52) निवासी एफ-4 ओल्ड मिनाल रेसीडेन्सी अयोध्यानगर को बेची थी। पुलिस ने लूट कर गिरवी रखी सोने की चैने भोपाल एवं रीवा स्थित मुथूट गोल्ड फाइनेंस और ज्वेलर्स से जब्त की है। उनकी निशानदेही पर टीम ने 7 सोने की चैन, 1 एक्टीवा और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक सहित 17 लाख का माल बरामद किया है।

- पढ़े लिखे है दोनो आरोपी, मंहगे शौक ने बनाया लूटेरा

रीवा, इंदौर के रहने वाले आरोपियो में शामिल निखिल शर्मा बीकॉम तक पढ़ा है, पहले वह प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। उसके खिलाफ थाना अयोध्या नगर, पिपलानी, बागसेवनिया में पॉक्सो एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओ के दर्जन भर से अधिक अपराधिक प्रकरण दर्ज है। वहीं दूसरा आरोपी आकाश उर्फ अभिमन्यु ने भी बीकॉम तक पढ़ाई की है, और पहले वो जोमेटो में डिलीवरी एजेंट का काम करता था।

नेता प्रतिपक्ष ने की महंगाई पर केंद्र से टैक्स घटाने की मांग, सूचना आयुक्त के खाली पदों पर भी उठाए सवाल

विजयपुर मामले में सुप्रीम कोर्ट जाएंगे, भाजपा चुनाव से डरती है : उमंग सिंघार

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंगलवार को अपने निवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में विजयपुर प्रकरण, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण बढ़ती महंगाई और सूचना आयुक्त की नियुक्ति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि विजयपुर मामले में न्यायालय के फैसले का सम्मान किया जाता है, लेकिन न्याय के लिए कानूनी प्रक्रिया के तहत सर्वोच्च न्यायालय तक जाया जाएगा।सिंघार ने कहा कि लोकतंत्र में न्यायिक प्रक्रिया सर्वोपरि होती है और जिला न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक न्याय पाने का अधिकार सभी को है। उन्होंने कहा कि मुकेश मल्होत्रा के लिए भी सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खुले हैं और कांग्रेस कानूनी सलाह लेकर आगे की कार्रवाई करेगी।

भाजपा पर दबाव की राजनीति का आरोप

नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा पर दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह आगामी चुनावों और संख्या बल की राजनीति से जुड़ा प्रयास है। सिंघार ने कहा कि भाजपा चुनाव से डरती है और जनता के बीच जाकर मुकाबला नहीं करना चाहती। उन्होंने यह भी कहा कि नरोत्तम मिश्रा के पेड न्यूज मामले में वर्षों से फैसला लंबित है। वहीं निर्मला सप्रे प्रकरण में न्यायालय के नोटिस के बाद ही विधानसभा अध्यक्ष को यह कहना पड़ा कि सुनवाई हो रही है। उन्होंने सवाल किया कि इन मामलों में इतनी देरी क्यों हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय हालात से महंगाई बढ़ने की आशंका

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिंघार ने कहा कि ईरान-इज़राइल युद्ध के चलते वैश्विक हालात तेजी से बदल रहे हैं। सरकार लगातार समीक्षा बैठकों की बात कर रही है, लेकिन केवल बैठकों से जनता को राहत नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि कोविड काल में भी इसी तरह धैर्य रखने की बात कही गई थी, लेकिन उस दौरान देश ने भारी कठिनाइयों का सामना किया।

पेट्रोल-डीजल और गैस पर टैक्स घटाने की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यदि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण महंगाई बढ़ने की आशंका है तो केंद्र सरकार को आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल, डीज़ल और गैस सिलेंडर पर लगने वाले भारी टैक्स में कटौती की जाए, ताकि लोगों को महंगाई से राहत मिल सके। सिंघार ने कहा कि टैक्स कम होने से ईंधन की कीमतें घट सकती हैं और आम जनता को सीधा फायदा मिलेगा। सरकार को तय करना होगा कि वह तेल कंपनियों को लाभ पहुंचाना चाहती है या महंगाई से जूझ रही जनता को राहत देना चाहती है।

चैत्र नवरात्रि में मां बगलामुखी मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश रहेगा प्रतिबंधित, त्रिशूल मंडप से होंगे दर्शन

आगरमालवा,(ए.)। आगरमालवा जिले के नलखेड़ा स्थित विश्व प्रसिद्ध पीताम्बरा सर्व सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर में आगामी चैत्र नवरात्रि महापर्व 19 से 27 मार्च 2026 तक श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए

मंदिर प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं लागू की हैं।मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं तहसीलदार नलखेड़ा द्वारा जारी आदेश के अनुसार नवरात्रि के पूरे नौ दिनों तक मां बगलामुखी के गर्भगृह में प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। श्रद्धालु इस अवधि में त्रिशूल मंडप से ही माता के सुलभ दर्शन कर सकेंगे। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था सभी श्रद्धालुओं पर समान रूप से लागू होगी। सामान्य, वीआईपी और वीवीआईपी सहित सभी प्रकार के दर्शनार्थियों को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही दर्शन करने होंगे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मंदिर परिसर में अनुशासन बनाए रखें और शांतिपूर्वक दर्शन कर सहयोग प्रदान करें। गौरतलब है कि नलखेड़ा स्थित यह पीताम्बरा सर्व सिद्धपीठ देशभर में आस्था का प्रमुख केंद्र है। नवरात्रि के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधक, संत-महात्मा तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े वीआईपी और वीवीआईपी भी देवी दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

सतनाः पति-पत्नी के झगड़े के बाद परिवार ने खाने में जहर मिलाकर खाया, बेटे की मौत और दंपत्ति समेत 3 गंभीर

सतना (ए.)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बांधा में सोमवार रात पति-पत्नी के बीच हुए झगड़े के बाद परिवार ने खाने में जहर मिलाकर खा लिया। इस घटना में छह साल के बेटे की मौत हो गई, जबकि तीन साल के बेटे और दंपत्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जानकारी के अनुसार, ग्राम बांसा निवासी कुंदन शर्मा और उनकी पत्नी ज्योति शर्मा के बीच सोमवार रात करीब 7 बजे किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद पत्नी ने खाना बनाया। बताया जा रहा है कि ज्योति शर्मा

ने खाने में जहरीला पदार्थ मिला दिया। पहले दोनों बच्चों को वही खाना खिलाया गया। इसके बाद ज्योति शर्मा ने खुद भी खाया और बाद में कुंदन शर्मा ने भी वही भोजन कर लिया। कुछ देर बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। इसी दौरान परिवार का छोटा बेटा अभिषेक शर्मा (करीब 3 साल) किसी तरह घर से निकलकर पड़ोसियों के पास पहुंचा रोते हुए उसने घर में सभी के बीमार होने की बात कही। पड़ोसी तुरंत घर पहुंचे तो देखा कि कुंदन शर्मा, ज्योति शर्मा और बड़ा बेटा आकाश शर्मा (6 साल) अचेत पड़े थे।ग्रामीणों की मदद से सभी को तुरंत इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान छह वर्षीय बेटे आकाश शर्मा की मौत हो गई। जबकि कुंदन शर्मा, ज्योति शर्मा और छोटा बेटा अभिषेक की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज चल रहा है। परिजनों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच विवाद के कारण यह कदम उठाया गया होगा। हालांकि, घटना की असली वजह अभी साफ नहीं हो सकी है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

जनसुनवाई में 45 आवेदकों ने प्रशासन को बताई अपनी समस्या

राजगढ़ (ए.)। जिला मुख्यालय पर प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का निराकरण किया जाता है। आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रताप सिंह चौहान, संयुक्त कलेक्टर वीरेंद्र सिंह दांगी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। आयोजित जनसुनवाई में ग्राम हुलखेड़ी निवासी जमना बाई ने बताया कि आवेदिका मजदूरी करती है।

आवेदिका का कच्चा मकान होने के कारण आवेदिका को प्रधानमंत्री आवास योजना की दो किस्त मिल चुकी है, परंतु तीसरी किस्त आवेदिका को आज दिनांक तक प्राप्त नहीं होने के कारण बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अपर कलेक्टर द्वारा सीईओ जनपद नरसिंहगढ़ को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम लखोनी निवासी रामबाबू ने बताया कि आवेदक को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। जिससे आवेदक को काफी समस्याएं हो रही है। अपर कलेक्टर द्वारा सीईओ जनपद जीरापुर को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम भियापूरा निवासी शंकरलाल ने बताया कि आवेदक को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। आवेदक की पत्नी को पूर्व में वृद्धावस्था पेंशन मिलती थी, परंतु किसी कारणवश छह माह से वृद्धावस्था पेंशन मिलना बंद हो गई है। आवेदक बहुत गरीब है।

ग्वालियर शहर से लगी बेशकीमती सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

शासकीय जमीन से अतिक्रमण हटाने की विशेष मुहिम जारी

ग्वालियर (ए.)। शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन की विशेष मुहिम जारी है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर मंगलवार को एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह के नेतृत्व में गई संयुक्त

टीम ने शहर से सटे ग्राम जारगा में स्थित बेशकीमती लगभग 0.1880 हैक्टेयर सरकारी जमीन से मशीनों की मदद से बेजा कब्जे हटवाए। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई इस सरकारी जमीन की कीमत लगभग 01 करोड़ 32 लाख रुपए आंकी गई है। एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह ने बताया कि ग्वालियर नगर निगम के वार्ड क्र.-61 के अंतर्गत राजस्व ग्राम जारगा के सर्वे क्र.-724 में स्थित 0.1880 हैक्टेयर सरकारी जमीन पर भूपेन्द्र सिंह द्वारा अवैध रूप से गेट बना लिया गया था। साथ ही महावीर गुर्जर व जयेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा भी बेजा कब्जा कर लिया गया था। मंगलवार को राजस्व, पुलिस व नगर निगम की संयुक्त टीम मौके पर पहुँची और मशीनों की मदद से अवैध निर्माण ध्वस्त कराए गए। इस कार्रवाई में एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह, तहसीलदार सिटी सेंटर कुलदीप दुबे, राजस्व निरीक्षक रवि करैया सहित संबंधित थाने की पुलिस व नगर निगम का मदाखलत दस्ता शामिल रहा।

श्रीअन्न को बढ़ावा देने रोड शो संपन्न, आम जनता ने दिखाया उत्साह

बुधवार से शुरू होगा तीन दिनों का कृषि मेला एवं श्रीअन्न फूड फेस्टिवल

जबलपुर (ए.)। जिला मुख्यालय पर बुधवार 11 मार्च से आयोजित किये जा रहे तीन दिनों के 'कृषि मेला एवं श्रीअन्न फूड फेस्टिवल' के प्रचार-प्रसार और जन-जागरूकता हेतु आज शहर में विशाल मोटर साइकिल रैली (रोड शो) का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन और किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के नेतृत्व में निकला यह रोड शो पूरी तरह शांतिपूर्ण और सफल रहा। सुबह 10 बजे कलेक्टर कार्यालय से प्रारंभ हुए इस रोड शो में कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ किसानों और शहर के नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। लगभग 200 प्रतिभागियों ने अपनी मोटर साइकिलों पर सवार होकर 'श्री अन्न' (मिलेट्स), प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि के प्रति जागरूकता फैलाई। तय रूट के अनुसार मोटर साईकिल रैली (रोड शो) कलेक्ट्रेट से प्रारंभ होकर घंटाघर, सिविक सेंटर, मालवीय चौक, तीन पत्ती चौराहे, शास्त्री ब्रिज, सदर के रास्ते होते हुए हॉकी ग्राउंड पुलिस लाइन पहुँची, जहाँ इसका समापन हुआ। रोड शो के आयोजन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को 11 से 13 मार्च तक पुलिस लाइन स्थित हॉकी ग्राउंड में शुरू हो रहे कृषि मेला एवं श्रीअन्न फूड फेस्टिवल में आमंत्रित करना और पौष्टिक श्री अन्न के महत्व को समझाना था।

मंडी में हाईवोल्टेज ड्रामा...भड़के किसान चक्काजाम

- नशे में धुत्त मंडी इंस्पेक्टर की अभद्रता से नाराज व्यापारियों ने की मंडी बंद, भड़के किसान लगाया चक्काजाम

गुना (ए.)। जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी में मंगलवार को उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब एक मंडी इंस्पेक्टर की कथित शराबखोरी और तानाशाही के कारण नीलामी प्रक्रिया ठप हो गई। घंटों तक मंडी बंद रहने से आक्रोशित किसानों ने नेशनल हाईवे (एबी रोड) पर चक्काजाम कर दिया। करीब आधे घंटे तक सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं, जिसे बाद में कैंट पुलिस ने मौके पर पहुंचकर और किसानों को समझा-बुझाकर खुलवाया। पूरी घटना सरसों की डाक (नीलामी) के दौरान शुरू हुई। प्रत्यक्षदर्शी किसानों और व्यापारियों के अनुसार, ड्यूटी पर तैनात मंडी निरीक्षक राजकुमार शर्मा शराब के नशे में बुरी तरह धुत्त थे। नीलामी के दौरान एक किसान की सरसों की ऊंची बोली 5700 रुपये प्रति क्विंटल लगी थी, लेकिन नशे में धुत इंस्पेक्टर ने जानबूझकर या गलती से पर्ची पर मात्र 5400 रुपये दर्ज कर दिए। जब किसान ने इस 300 के अंतर का विरोध किया, तो इंस्पेक्टर अभद्रता पर उतर आया। ताज्जुब की बात यह रही कि खरीदार व्यापारी भी 5700 रुपये में फसल लेने को तैयार था, लेकिन इंस्पेक्टर पर्ची सुधारने और हस्ताक्षर करने पर अड़ गया।

इंस्पेक्टर द्वारा व्यापारियों के साथ भी बदतमीजी की गई, जिससे नाराज होकर व्यापारियों ने डाक का बहिष्कार कर दिया और मंडी बंद करा दी। सुबह 7 बजे से अपनी उपज लेकर आए किसान घंटों तक बिना नीलामी के परेशान होते रहे। किसान राम सिंह रघुवंशी और गिर्राज यादव ने बताया कि मंडी प्रशासन की लापरवाही के कारण उन्हें दो-दो बार ट्रैक्टर का भाड़ा देना पड़ रहा है। कई किसानों के घर में शादियां हैं और वे अपनी उपज बेचकर पैसों का इंतजाम करने आए थे, लेकिन मंडी कर्मचारियों की मनमानी ने उन्हें सडक़ पर उतरने को मजबूर कर दिया। इस गंभीर मामले पर मंडी सचिव आरपी सिंह ने स्वीकार किया कि प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा के कारण विवाद की स्थिति बनी है। उन्होंने कहा राजकुमार शर्मा पहले भी विवादित रहे हैं।

व्यापार समाचार

कच्चे तेल में तेजी का असर! सेंसेक्स 1,352 अंक गिरकर बंद; निवेशकों के 8 लाख करोड़ रुपए डूबे

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,352.74 अंक या 1.71 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,566.16 और निफ्टी 422.40 अंक या 1.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,028.05 पर बंद हुआ।

बाजार में गिरावट का नेतृत्व ऑटो और बैंकिंग शेयरों ने किया। निफ्टी ऑटो 4.10 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 3.97 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल 2.81 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 2.78 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 2.60 प्रतिशत, निफ्टी पीएसई 2.39 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.37 प्रतिशत और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 2.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। केवल निफ्टी आईटी 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट हुई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,127.85 अंक या 1.97 प्रतिशत की गिरावट के साथ 56,265.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 366.70 अंक या 2.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,132.20 पर था।

बाजार में उतार-चढ़ाव दर्शाने वाले इंडिया विक्स में भी सत्र के दौरान उछाल देखा गया और यह 17.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 23.36 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, एसबीआई, इंडिगो, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, पावर ग्रिड और बजाज फाइनेंस लूजर्स थे। दूसरी तरफ, सन फार्मा, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक गेनर्स थे।

बाजार में गिरावट के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप 8 लाख करोड़ रुपए कम होकर 441 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 449 लाख करोड़ रुपए था।

बाजार में बड़ी गिरावट की वजह कच्चे तेल में तेजी के माना जा रहा है। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत में सोमवार को 26 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई है और यह 119 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

औंधे मुंह गिरे सोने-चांदी के दाम, धड़ाम हुई कीमतें, जानें क्या है इस भारी गिरावट की वजह?

मुंबई (ए.)। सोमवार को अमेरिकी डॉलर मजबूत होने और महंगाई की आशंकाओं के कारण कीमती धातुओं यानी सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी गई, जिससे निकट भविष्य में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गईं।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए उम्मीद की जा रही थी कि सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं की कीमतें और बढ़ेंगी। लेकिन इसके उलट इनके दाम में गिरावट देखने को मिली है।सोमवार को दिन के कारोबार में एमसीएक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना वायदा गिरकर 1,59,826 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया, तो वहीं मई डिलीवरी वाली चांदी वायदा गिरकर 2,60,743 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गई। खबर लिखे जाने तक (दोपहर करीब 12.18 बजे) एमसीएक्स पर 2 अप्रैल एक्सपायरी वाला गोल्ड कान्ट्रैक्ट 881 रुपए यानी 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,60,678 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं, एमसीएक्स पर 5 मई एक्सपायरी वाला सिल्वर कान्ट्रैक्ट 3,378 रुपए यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,64,907 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 639, निफ्टी 233 अंक उछला

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से ईरान से जुड़े संघर्ष के जल्द समाप्त होने की संभावना वाले बयान के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक बढ़कर 78,205.98 । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 233.55 उछलकर 24,261.60 के स्तर पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। ब्रेंट क्रूड करीब 5 फीसदी से अधिक गिरकर लगभग 93.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले यह तीन साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था जिससे बाजार नीचे आया था। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि तेल की कीमतों में एक ही दिन में आये अंतर से साफ है कि पश्चिम एशिया में तेजी से हालात

बदल रहे हैं।

सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.67 फीसदी तेजी। इसी तरह इंडिगो, एशियन पेंट्स और मारुति के शेयर भी दो फीसदी से अधिक चढ़ गए। दूसरी ओर इन्फोसिस, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में गिरावट रही।

ब्रॉडर बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.62 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 2.12 फीसदी तेजी आई। निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी रही। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में भी तेजी आई पर लेकिन निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी ऑयल एंड गैस भी गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज एशियाई बाजारों में भी बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 5 फीसदी जबकि जापान का निक्केई 2.5 फीसदी उछला। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट और हांगकांग के हैंग सेंग में भी बढ़त रही। अमेरिकी बाजारों में भी पिछले सत्र में मजबूती रहीइससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स मजबूती के साथ 78,375 अंक पर खुला। इससे पहले सोमवार को यह 77,566 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह ?निफ्टी 50 भी बढ़त के साथ खुला। निफ्टी 24,280 अंक पर खुला और खुलते ही 24,300 अंक के स्तर को पार कर गया।

रुपया बढ़त के साथ बंद

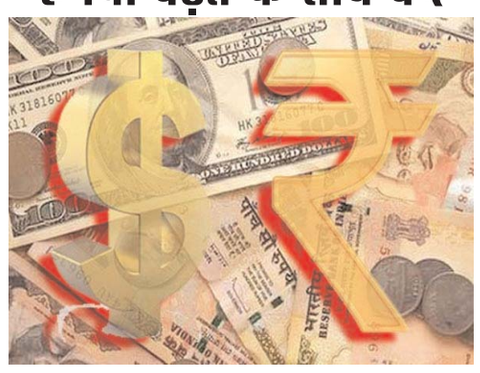

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलकार को 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 91.96 पर बंद हुआ। वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती के बीच आज शुरुआती कारोबार में रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे मजबूत होकर 92.14 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.92 पर खुला और कुछ ही देर में यह 92.14 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की मजबूती दिखाता है। सोमवार को रुपया 39 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 92.21 पर बंद हुआ था, जो इसका अब तक का सबसे निचला बंद स्तर है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और डॉलर की मजबूती से रुपये में बड़ी कमजोरी आई थी।

दुकान पर रिचार्ज कराते समय नंबर लीक होने का डर खत्म, बीएसएनएल लाया 'कवच नंबर', जानिए महिलाओं के लिए कैसे करेगा काम?

नई दिल्ली (आरएनएस)। महिलाओं को अक्सर अपना मोबाइल नंबर सार्वजनिक जगहों या रिटेल दुकानों पर रिचार्ज कराते समय शेयर करने में काफी हिचकिचाहट होती है। अपना पर्सनल नंबर अनजान लोगों को देने से प्राइवेसी लीक होने और अनचाहे कॉल्स का डर हमेशा सताता रहता है। महिलाओं की इसी बड़ी परेशानी को हमेशा के लिए खत्म करने के मकसद से सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने एक बेहतरीन पहल की है। बीते 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के खास मौके पर बीएसएनएल ने 'कवच नंबर' (Kavach Number) नाम से एक नई और सुरक्षित सर्विस लॉन्च की है, जो महिलाओं के पर्सनल नंबर को पूरी तरह से गुप्त रखने का दावा करती है। बीएसएनएल की इस नई सर्विस का मुख्य लक्ष्य महिलाओं की प्राइवेसी को और अधिक सुरक्षित और आसान बनाना है। इस सुविधा के तहत कंपनी महिलाओं को एसएमएस (SMS) के जरिए 10 अंकों का एक अस्थाई (वैकल्पिक) नंबर मुहैया कराएगी।

बैंक में ऑफिसर बनने का शानदार मौका, आईडीबीआई में 1100 पदों पर बंपर भर्ती शुरू, कहीं छूट न जाए तारीख- तुरंत करें अप्लाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। बैंकिंग सेक्टर में बेहतरीन करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार मौका सामने आया है। इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (आईडीबीआई बैंक) लिमिटेड ने जूनियर असिस्टेंट मैनेजर के कुल 1100 पदों पर वैकेंसी निकाली है।

आईडीबीआई बैंक की ओर से जारी जूनियर असिस्टेंट मैनेजर पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन मोड में आवेदन प्रक्रिया 8 मार्च से शुरू हो गई है। अप्लाई करने की अंतिम तिथि 19 मार्च निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरने की सोच रहे हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाने के बाद तय समय सीमा के भीतर अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।आईडीबीआई बैंक ने जोन के अनुसार जूनियर असिस्टेंट मैनेजर के जिन 1100 पदों पर भर्ती निकाली है, उनमें अहमदाबाद, चंढीगढ़ और चेन्नई के लिए 70-70; बेंगलुरु के 75, भोपाल, कोच्चि और पुणे में 55-55, भुवनेश्वर और नागपुर के 50-50, दिल्ली और मुंबई के 130-130, गुवाहाटी के 35, हैदराबाद के 65; कोलकाता के 60, लखनऊ के 85 और पटना के लिए 45 पद शामिल हैं।आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान या यूनिवर्सिटी से संबंधित पद अनुसार ग्रेजुएशन की डिग्री कम से कम 60 प्रतिशत अंकों के साथ और निर्धारित अन्य योग्यता का होना आवश्यक है।अभ्यर्थियों की न्यूनतम आयु 20 साल और अधिकतम आयु 25 साल निर्धारित की गई है, जिसकी गणना 1 मार्च के आधार पर की जाएगी। आरक्षित वर्ग से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।आवेदन फॉर्म भरते समय कैंडिडेट्स को अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड में करना होगा, जो जनरल/ओबीसी/ईडब्लूएस उम्मीदवारों के लिए 1050 रुपए और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी वर्ग के कैंडिडेट्स के लिए 250 रुपए फीस निर्धारित की गई है। आईडीबीआई बैंक की ओर से जारी पद के लिए सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन करने वालों में से योग्य कैंडिडेट का चयन ऑनलाइन टेस्ट (ओटी), डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (डीवी), पर्सनल इंटरव्यू (पीआई) और प्री रिक्रूटमेंट मेडिकल टेस्ट (पीआरएसटी) के आधार पर किया जाएगा। ऑनलाइन टेस्ट का आयोजन 12 अप्रैल को सुबह की शिफ्ट में होने की संभावना है।

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी सबसे पहले आईडीबीआई बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद जारी पद से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियों को दर्ज करें। मांगे गए सभी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर को सही साइज और फॉन्ट में अपलोड करें। निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान करें। इसके बाद फॉर्म चेक कर सबमिट कर दें। लास्ट में एप्लीकेशन फॉर्म का प्रिंट आउट भविष्य के लिए निकाल लें।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

समाधान ढूंढना सही दृष्टिकोण

क्या अब ये बात भरोसे के साथ कही जा सकती है कि न्यायपालिका ने अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है? आखिर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा? एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब में न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों के जिक्र से बार एसोसिएशन के साथ-साथ प्रधान न्यायाधीश भी आहत हुए। पुस्तक में जिन चुनौतियों का उल्लेख है, उनमें विचाराधीन मुकदमों की विशाल संख्या, न्यायाधीशों की कमी, और न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोप शामिल हैं। न्यायपालिका में इससे इतनी नाराजगी फैली कि प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने मामले का स्वत: संज्ञान लिया। कहा कि कि संस्था के प्रमुख के बतौर उसकी प्रतिष्ठा की रक्षा करना उनका कर्त्तव्य है।उधर बार एसोसिएशन ने सवाल उठाया कि किताब में संसद में आपराधिक छवि के व्यक्तियों की मौजूदगी और शासन के दूसरे क्षेत्रों में मौजूद भ्रष्टाचार की चर्चा एनसीईआरटी ने क्यों नहीं की? चूंकि न्यायपालिका के पास अवमानना कार्यवाही की ताकत है, इसलिए प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणियों का तुरंत असर हुआ। एनसीईआरटी ने संबंधित किताब पर अफसोस जताते हुए उसकी बिक्री तुरंत रोक दी और उस हिस्से को हटाने का एलान किया, जिस पर विवाद खड़ा हुआ। मगर क्या न्यायपालिका से जुड़े लोग ये बात भरोसे के साथ कह सकने की स्थिति में हैं कि अब उन्होंने अपनी संस्था की प्रतिष्ठा की रक्षा कर ली है?क्या उनके लिए यह प्रश्न उठाना बेहतर नहीं होता कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की धारणा इस हद तक क्यों पहुंच गई कि पाठ्य-पुस्तक में उसका जिक्र होने लगा? क्या यह अधिक उचित एवं सकारात्मक नजरिया नहीं होता कि वे ऐसी धारणा की जड़ तक पहुंचेंगे और उसका निवारण करेंगे? इस बात से कोई इनकार नहीं है कि बात सभी जगहों पर मौजूद खामियों की होनी चाहिए। मगर एक जगह खामी है, तो उससे दूसरे स्थलों पर मौजूद बुराइयों को सही बताने का तर्क तो नहीं मिल जाता? सार्वजनिक लाभ के नजरिए से कहा जाता है कि धूप सर्वश्रेष्ठ कीटाणु नाशक है- यानी पारदर्शिता भूल-सुधार का आरंभिक उपाय है। अत: संदेह, आरोप, या धारणाओं को दबाने की कोशिश के बजाय उनसे संबंधित तथ्यों को सामने लाना, उन पर बहस करना और जहां समस्या नजर आए उसका समाधान ढूंढना सही दृष्टिकोण माना जाएगा। और उससे ही विभिन्न संस्थाओं सहित पूरे राज्य-तंत्र की प्रतिष्ठा सुरक्षित हो सकेगी।

एआई क्रांति की फसल काटने का बंदोबस्त

अजीत द्विवेदी

दिल्ली में हुआ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत में एआई क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने वाले कार्यक्रम साबित होगा या वक्ती मीडिया हाइप के बाद इसका भी मामला नेपथ्य में चला जाएगा और सब कुछ वैसे ही चलता रहेगा, जैसा पहले चलता रहा है? यह सवाल इसलिए है क्योंकि ऐतिहासिक रूप से अब तक हुई तमाम औद्योगिक और संचार क्रांतियों में भारत की भूमिका नगण्य रही है। पहली औद्योगिक क्रांति में भी भारत ने न कुछ आविष्कार किया और न कोई निर्माण किया।

उसी तरह संचार क्रांति में भी भारत का योगदान एक यूजर देश के रूप में ही रहा। भारत ने हर क्रांति में बने उत्पादों का इस्तेमाल किया। अगर सोशल मीडिया क्रांति में भारत की उपलब्धि यह है कि भारत में सबसे ज्यादा 45 करोड़ फेसबुक यूजर हैं तो एआई क्रांति में अभी तक भारत की उपलब्धि का आंकड़ा यह है कि भारत में चैटजीपीटी के अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा यूजर हैं। भारत में इनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या साढ़े 14 करोड़ है।

अब दुनिया भर की एआई कंपनियों में होड़ मची है कि किसके यूजर सबसे ज्यादा होंगे। गूगल को अपने जेमिनी के यूजर बढ़ाने हैं तो सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साथ मीटिंग के बाद मीडिया के सामने कहा कि उनकी कंपनी भारत के दो करोड़ कर्मचारियों को एआई के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देगा। इसी तरह सैम ऑल्टमैन की कंपनी ओपनएआई भी चैटजीपीटी के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण देगी। माइक्रोसॉफ्ट ने भी 30 लाख लोगों को प्रशिक्षण देने की घोषणा की है। 30 साल पहले इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट के ट्रेनिंग कैंप लगते थे। उनके पेशेवर भारत के लोगों को माइक्रोसॉफ्ट के ऑपरेटिंग सिस्टम के इस्तेमाल की जानकारी देते थे। लोगों को ईमेल और सर्च इंजन के इस्तेमाल में प्रशिक्षित किया जाता था।

आज भी वही इतिहास दोहरा रहा है। आप कोई भी यूट्यूब प्लेटफॉर्म खोलिए वहां सबसे ज्यादा विज्ञापन इस बात का आ रहा है कि एआई का इस्तेमाल करना सीखें और कमाई बढ़ाए। याद करें कैसे पहली संचार क्रांति के समय गली गली में कंप्यूटर और लैपटॉप रिपेयर की दुकानें खुलीं, उसके बाद मोबाइल हैंडसेट के रिपेयर और सिम बेचने की दुकानें खुलीं और अब हर जगह एआई सिखाने की दुकानें खुल रही हैं।

सवाल है कि इसमें भारत का अपना क्या है? इसी एआई इम्पैक्ट समिट में भारत की कंपनी सर्वम ने अपना प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। बेंगलुरू स्थित कंपनी ने पहला मल्टी बिलियन पैरामीटर का एलएलएम

यानी लार्ज लैंग्वेज मॉडल पेश किया। लेकिन अभी इसका इस्तेमाल शुरू नहीं हुआ है। आम लोगों के बीच यह नहीं पहुंचा है और न इसके पेशेवरों द्वारा लोगों को सर्वम के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरी ओर अमेरिका की कंपनियों के प्लेटफॉर्म करोड़ों की संख्या में लोगों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे हैं। चैटजीपीटी के कई वर्जन आ गए। उसे लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। इसी तरह जेमिनी, ग्रॉक, परप्लेक्सिटी जैसे प्लेटफॉर्म का करोडों लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। चीन के डीपसीक की बात छोड़ दें तो अमेरिकी कंपनियां पूरी दुनिया पर छा गई हैं। उनके यहां इस पर इतना रुपया खर्च किया जा रहा है, जिसकी भारत में कल्पना भी नहीं की जा सकती है।अमेरिका अगले साल एआई पर साढ़े छह सौ बिलियन डॉलर यानी करीब छह लाख करोड़ रुपए का है। चीन अगले साल सौ बिलियन डॉलर यानी एक लाख करोड़ रुपए का है। इसके मुकाबले भारत सरकार ने इस साल बजट में एआई के लिए एक हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। सोचें, कहां छह लाख और एक लाख करोड़ और कहां एक हजार करोड़! दुनिया के एआई पेटेंट में भारत का हिस्सा सिर्फ 0.39 फीसदी है तो चीन का हिस्सा 70 फीसदी है।भारत सरकार एक हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही है लेकिन देश के अरबपतियों ने लाखों करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया। इतना बड़ा ऐलान है कि अमेरिका और चीन भी चित हो जाएं। अडानी समूह ने अगले 10 साल में 18 लाख करोड़ तो अंबानी समूह ने सात साल में 10 लाख करोड़ रुपए निवेश का ऐलान किया है। सोचें, यह रकम पढ़ कर लगेगा कि अब भारत एआई क्रांति का विश्वगुरू बनने वाला है। भारत को कोई नहीं रोक सकता है। यह भी भाव मन में पैदा होगा कि अमेरिका और चीन भारत के इन दो कारोबारियों के

सामने क्या हैं।

अब सवाल है कि क्या ये दोनों कारोबारी किसी एआई प्लेटफॉर्म का निर्माण करेंगे, क्या ये कोई चैटजीपीटी जैसा बना देंगे और भारत के लोग उसका इस्तेमाल करने लगेंगे? हम ज्यादा उम्मीद नहीं करते हैं। यह नहीं सोचते हैं कि भारत के अंबानी और अडानी कुछ ऐसा बना देंगे, जिसका इस्तेमाल अमेरिका या यूरोप के लोग करने लगेंगे लेकिन क्या भारत के लोगों के लिए भी ये कंपनियां कुछ बना पाएंगी? इनका इतिहास देखते हुए लग नहीं रहा है कि ये कुछ बनाएंगी। इन्होंने एआई क्रांति की फसल काटने का बंदोबस्त किया है। टाटा से लेकर अंबानी, अडानी तब सबने किसी न किसी अमेरिकी कंपनी के साथ तालमेल कर लिया है।

ये लोग उनके वेंडर की तरह काम करेंगे। भारत में सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाएंगे और उसके इस्तेमाल की फीस वसूल कर कमाई करेंगे। उस कमाई का भी बड़ा हिस्सा अमेरिका जाएगा।अब सवाल है कि भारत की कंपनियां इतना रुपया किस चीज में निवेश करेंगी? भारत की कंपनियों का निवेश जमीन अधिग्रहण करने, उस पर बड़ी इमारतें बनवाने और वहां एआई के डेटा सेंटर स्थापित करके उन्हें चलाने में खर्च होगा। वे बुनियादी ढांचा तैयार करके अमेरिकी कंपनियों को देंगी ताकि वे अपना डेटा सेंटर स्थापित करें। यह बहुत दिलचस्प संयोग है कि भारत सरकार ने इस साल बजट में डेटा सेंटर को 21 साल तक के लिए टैक्स छूट देने की घोषणा की है।

यानी विशाल डेटा सेंटर बनेंगे और सरकार को कोई टैक्स नहीं दिया जाएगा। इतना ही नहीं डेटा सेंटर में इस्तेमाल होने वाली बिजली आम इस्तेमाल से 40 फीसदी सस्ती होगी। कंपनियां बजट में मिली इस छूट का लाभ उठाएंगी। ध्यान रहे भारत में डेटा कैपिसिटी अभी 1.2 गीगावॉट की है जो अगले चार साल में बढ़ कर पांच गीगावॉट होने वाली है। इसके लिए 20 से 30 गीगावॉट बिजली की जरुरत होगी और इसी अनुपात में डेटा सेंटर्स की कूलिंग के लिए अरबों लीटर पानी की जरुरत होगी। इस तरह भारत अपनी जमीन देगा, टैक्स छूट देगा, सस्ती बिजली देगा, पानी देगा और सस्ता मानव संसाधन देगा, जिस पर प्राइमरी कमाई अमेरिकी कंपनियों की होगी और उसके बाद उनकी पिछलग्गू भारतीय कंपनियों की कमाई होगी।

भारत में सिर्फ टेलर मेड एप्लीकेशन तैयार होंगे

हरिशंकर व्यास

दुनिया भर में एक के बाद एक बड़े सम्मेलन हो रहे हैं। पहले जनवरी में स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक हुई। उसके बाद फरवरी में जर्मनी में म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस हुई। फिर दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट हुआ। अगले महीने भारत में रायसीना डायलॉग्स होंगे। सवाल है कि इन तमाम सम्मेलनों में भारत के लिए क्या है? क्या दुनिया भारत को पूछ रही है या भारत किसी भी मामले में दुनिया को रास्ता दिखा रहा है? आर्थिक मंच की बैठक में या सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में या एआई समिट में भारत के पास दिखाने के लिए क्या था? ले देकर भारत के पास एकमात्र चीज यह है कि भारत दुनिया भर के उत्पाद खरीद सकता है। चाहे उपभोक्ता उत्पाद हों या हथियार हों या एआई की तकनीक हो, भारत एक खरीदार है। इसके अलावा कोई भारत की परवाह नहीं करता।

म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भी दुनिया की प्राथमिकता दिखी। जिस समय यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का सेशन होना था उस समय पूरा हॉल भरा हुआ था, लोग खड़े होकर फ्रांस और यूक्रेन की बात सुन रहे थे। यूरोप के लोगों के लिए रूस और यूक्रेन का युद्ध एक चिंता की बात है। लेकिन इसके तुरंत बाद भारत और जर्मनी का सेशन था, जिसमें पूरा हॉल खाली पड़ा हुआ था। किसी को इस बात की चिंता नहीं थी कि भारत क्या कह रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि रूस और यूक्रेन युद्ध में भारत ने किसी तरह की भूमिका नहीं निभाई। भारत ने सिर्फ बयानबाजी की। प्रधानमंत्री मोदी ने हर जगह कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है। उनको लगता था कि यह बहुत बड़ा वाक्य है और इसे बोलने से युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन युद्ध के चार साल हो गए। यूरोप के सारे देश यूक्रेन की मदद करते रहे लेकिन भारत इस दौरान रूस से तेल खरीदता रहा। तभी म्यूनिक सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में भारत अप्रासंगिक था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी बात कह आए लेकिन किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया।

उससे पहले दावोस में भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्री और कई केंद्रीय मंत्री विश्व आर्थिक मंच में हिस्सा लेने पहुंचे थे। लेकिन पूरा सम्मेलन अमेरिका और यूरोप के मुद्दे पर केंद्रित रहा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मंत्रियों के साथ पहुंचे थे और अमेरिका ने अपना पैवेलियन बनवाया था। लेकिन दावोस में यूरोप के देशों ने कमाल की एकजुटता दिखाई। ट्रंप ने ग्रीनलैंड लेने की बता कही तो अगली कतार में बैठे ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति उठ कर चले गए। उनके साथ साथ यूरोप के ज्यादातर देशों के नेता वहां से निकल गए। सबने बाहर जाकर कहा कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। यूरोप के देशों ने मिल कर ट्रंप की दादागिरी का मुकाबला किया और मजबूरी में ट्रंप को टैरिफ लगाने के फैसले से पीछे हटना पड़ा। लेकिन वहां भी भारत के नेता क्या कर रहे थे? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने दावोस जाकर अपने ही राज्य के एक बड़े बिल्डर लोढा समूह के साथ एग्रीमेंट किया। इसी तरह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दावोस में टाटा समूह के साथ करार किया। सोचें, भारत के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री दावोस जाकर ऐसे ही घूमते रहे और अपनी देशी कंपनियों से ही निवेश का करार करके लौटे।ऐसे ही दिल्ली के एआई समिट में हुआ है। दुनिया भर की एआई कंपनियों ने भारत में अपने लिए बाजार की संभावना देखी और निवेश का वादा किया। यह कितनी हैरानी की बात है कि भारत ने ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन, एंथ्रोपिक्स के डारियो अमोदाई, गूगल के सुंदर पिचाई आदि की बात की लेकिन किसी दूसरे देश ने भारत के सर्वम या परम की बात नहीं की। इसका मतलब है कि भारत में एआई के सेक्टर में जो काम हो रहा है उसे लेकर दुनिया में कोई गंभीर नहीं है।

सबको पता है कि भारत में कोई ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार नहीं हो रहा है, जो चैटजीपीटी या ग्रॉक या क्लॉड, जेमिनी या परप्लेक्सिटी या डीपसीक का मुकाबला कर सके। भारत सेक्टर बेस्ड एप्लीकेशंस बनाएगा, जिसे भारत में भी कम ही लोग इस्तेमाल करेंगे। भारत की तकनीकी क्षमता की पहले परीक्षा हो चुकी है।

दुनिया देख चुकी है कि भारत एक ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं बना पाया और न सोशल मीडिया का एक प्लेटफ़ॉर्म बना सका। सो भारत लार्ज लैंग्वेज मॉडल कैसा बनाएगा यह दुनिया को पता है। भारत में सिर्फ टेलर मेड एप्लीकेशन तैयार होंगे। भारत का कोई भी एआई उत्पाद दुनिया में जगह नहीं बना पाएगा।

(चिंतन-मनन) इसलिए रह जाती है पूर्व जन्म की स्मृतियां

माना जाता है कि संसार में हम जो भी काम करते अथवा बोलते हैं वह एक उर्जा के रूप में प्रकृति में वर्तमान रहती है। उर्जा के विषय में विज्ञान कहता है कि उर्जा कभी नष्ट नहीं होती है। इसका स्वरूप बदलता रहता है। हमारी आत्मा भी उर्जा का ही स्रोत है इसलिए कभी मनुष्य शरीर में रहती है तो कभी पशु, कीट की योनी में जाकर रहती है।लेकिन अपनी आत्मा को हम किस रूप में स्थान देना चाहते हैं यह हमारे अपने हाथ में है। जिस प्रकार उर्जा को कर्म के अनुसार रूपांतरित किया जा सकता है ठीक उसी प्रकार कर्म के अनुसार आत्मा को भी रूप दिया जा सकता है। पुराणों में बताया गया है कि आत्मा का वही रूप होता है जैसे शरीर में वह विराजमान होता है। वर्तमान जन्म में हम जो अच्छे या बुरे कर्म करते हैं उसके अनुरूप आत्मा दूसरा शरीर ग्रहण करती है।आत्मा अपने साथ पूर्व जन्म की स्मृति और आकांक्षाओं को भी साथ में लेकर दूसरे शरीर में प्रवेश करती है। शरीर बदलने के बाद भी आत्मा पुराने शरीर की स्मृतियों को नहीं भूलती है। इस तथ्य को परामनोवैज्ञानिक भी स्वीकार करते हैं। मरने के समय जिनकी आत्मा अतृप्त रहती है और पूर्व जन्म कार्यों को पूरा करने के लिए छटपटाती रहती है। ऐसे लोगों को अपने पूर्व जन्म की कई बातों की स्मृति रहती है।पुराणों में पार्वती के पूर्व जन्म की कथाओं का उल्लेख मिलता है। कथाओं में बताया गया है कि पार्वती को पूर्व जन्म में प्रजापति दक्ष की पुत्र के रूप में जन्म लेकर शिव से विवाह और अग्नि कुण्ड में भष्म होने की घटना का स्मरण था। शिव को फिर से पति रूप में पाने के लिए ही सती ने पार्वती के रूप में जन्म लिया और कठोर तपस्या किया। पुराणों और शास्त्रों में कई ऐसी कथाओं का जिप्र किया गया है जिसमें व्यक्ति को अपने पूर्व जन्म की घटनाओं की स्मृति रही।

मेष राशि : आज का दिन आपको लाभ दिलाने वाला है। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगाएंगे। आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपकी भागीदारी रहेगी। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिन व्यस्तता से भरा होगा। कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं बाधाएं दूर होंगी।

वृष राशि : आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद होने के असार है। आपके क्रोध के कारण बना हुआ काम.. बिगड़ भी सकता है, इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें। काफी दिनों से रुके हुए राजकीय कामकाज में आज किसी राजनीतिक रिश्ते का सहयोग मिलने से काम आसानी से पूरा हो जाएगा किसी खुद को मानसिक रूप से फिट रखने के लिए आपको मेडिटेशन की हैबिट डालनी चाहिए।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बहुत शुभ रहेगा। आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। आर्ट स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, ज्यादा समय अध्ययन में गुजरेगा। सुबह के समय वर्क आउट शुरू करने से आपकी सेहत अच्छी होगी। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर मिलेंगे। सामाजिक स्तर पर आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। आज आपको बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क राशि : आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। यदि आज आप नया व्यवसाय शुरू करने के लिए आज का दिन शुभ साथ ही आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद भी मिलेगी। उधार के पैसे आज वापस मिल सकते हैं।

सिंह राशि : आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों की आज शानदार जीत होगी। आज घर के बड़े-बुजुर्ग की सेवा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी। आज आपको अपनी मनपसंद चीज मिल सकती है।

कन्या राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। आप अपने कुशल प्रबंधन से रोजगार के नए संसाधन विकसित करने में सफल होंगे। आज कार्यक्षेत्र में भी चुनौतियों का सामना करने अपनी प्रतिभा का उचित प्रदर्शन से सभी को स्तब्ध कर देंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन थोड़ा व्यस्तता से भरा हो सकता है। आप पिछले छूटे कामों को पूरा करने में बिजी रहेंगे। आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए। साथ ही किसी भी तरह का बड़ा निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर रहेगा। इस राशि की बिजनेस वुमेन बड़ी डील फाइनल कर सकती हैं। बिजनेस मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। आप माता-पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे परिवार उत्सव जैसा वातावरण हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा। बच्चों के लिए आज का दिन बढ़िया है। आपको केटरिंग के व्यवसाय में बड़ा ऑफर मिलने से बढ़िया धन लाभ होने की संभावना है।

धनु राशि : आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। व्यापार के क्षेत्र में थोड़ी मुश्किलों के बाद लाभ का योग बन रहा है। बेवजह की भाग दौड़ से बचें। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान होगा। आपके अच्छे काम से उच्चाधिकारी खुश होंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आज करियर में आपको बड़ी सफलता हासिल होगी। महिलाएं अपने बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएगी।

मकर राशि : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। सेहत के लिहाज से आप स्वास्थ्य रहेंगे। विद्यार्थियों को आज अपने गुरुजनों का भरपूर साथ और सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी बड़ी खुशखबरी मिलेगी। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा।

मीन राशि :आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज शाम दोस्तों के साथ मूवी देखने का प्लान बन सकता है।

(विचार-मंथन) भारत में रसोई गैस का संकट देशभर में अफरा-तफरी

- सनत जैन

ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब भारत में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। रसोई गैस की आपूर्ति पर जिस तरह के प्रतिबंध पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे हैं, उसके बाद स्थिति बुरी तरह से गड़बड़ा गई है। होटल और रेस्टोरेंट के संचालकों को कामर्शियल गैस के सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिसके कारण देशभर के हजारों रेस्टोरेंट और होटल बंद होने की कगार पर हैं। वहीं शादी-विवाह का सीजन होने के कारण इसका असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है। गैस सिलेंडर की कीमत पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा बढ़ा दी गई है। गैस की डिलीवरी भी मनमाने तरीके से की जा रही है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने आनन-फानन में एस्मा लागू किया है। इससे स्पष्ट है, भारत में रसोई गैस को लेकर अचानक पैदा हुए संकट ने आम जनता से लेकर छोटे कारोबारियों को मुसीबत में डाल दिया है। कामर्शियल एवं घरेलू एलपीजी सिलेंडरों पर लगी पाबंदियों और आपूर्ति में आई रुकावटों के कारण देश के कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने की स्थिति में आ गए हैं। देश भर के कई स्थानों के होटल और ढाबों ने अस्थायी रूप से अपने व्यवसाय को बंद करने की घोषणा कर दी है, जिससे लाखों लोगों का रोजगार और करोड़ों लोगों की नौकरी में संकट उत्पन्न हो गया है। लोगों को चाय पानी नाश्ता और खाना भी कारोबारी स्थलों पर नहीं मिल पा रहा है। कामर्शियल गैस सिलेंडर का इस्तेमाल देश के लाखों छोटे बड़े व्यवसायों में होता है। जहां करोड़ों लोग काम करते हैं। सड़क किनारे चाय, पोहा, वड़ा-पाव, कुलचे-भटूरे बेचने वाले छोटे दुकानदार से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक सभी एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। गैस सिलेंडर की सप्लाई में रुकावट आती है, बुकिंग पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाते हैं। इसका सीधा असर करोड़ों लोगों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पडने जा रहा है। देश के कई शहरों में

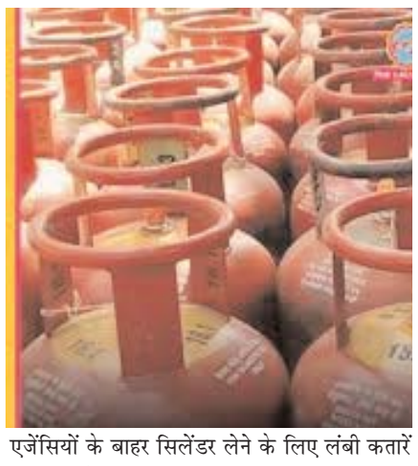

एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। कहीं-कहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी गड़बड़ाने लगी है। हर तरफ बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है।

सरकार का दावा है, देश में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी संकट की स्थिति नहीं है। विपक्ष ने संसद में चर्चा की मांग की, जिसे सरकार ने स्वीकार नहीं किया। 24 घंटे के अंदर ही जमीनी हालात कुछ और कहानी कह रहे हैं। कई जगहों पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति की शिकायतें मिलने लगी हैं। इससे लोगों के बीच घबराहट फैल रही है। गैस की आपूर्ति पर कालाबाजारी होने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है, इतने बड़े संकट में ऊर्जा आपूर्ति जैसे संवेदनशील मामले में नीतिगत निर्णय सोच-समझकर करने चाहिए। जब संसद सत्र चल रहा है, तब इस गंभीर संकट पर विस्तृत चर्चा होनी ही चाहिए। अचानक लगाए गए प्रतिबंध या आपूर्ति में बदलाव के निर्णय का असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर व्यापक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। एलपीजी के अभाव में होटल और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने लगे हैं। इससे लाखों मजदूरों, कर्मचारियों तथा छोटे कारोबारियों की आजीविका प्रभावित हो रही है। शहरी क्षेत्र में खाना बनाना भी आम परिवारों के लिए बड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत में बिजली की आपूर्ति बेहतर स्थिति में नहीं है। जिसके कारण ऊर्जा का संकट देश में प्रत्येक परिवार पर गंभीर रूप से प्रभाव डाल रहा है। सरकार की जिम्मेदारी है, वह वर्तमान स्थिति को पारदर्शिता के साथ संसद और आम जनता के सामने रखे। देश की जनता को विश्वास में ले। रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए सुनिश्चित किया जाए। पेट्रोल डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता निरंतर बनी रहे। छोटे कारोबारियों और उससे जुड़े हुए लोगों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। इसके लिए रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में व्यवधान ना हो। इनकी कीमतें नियंत्रित रहें। देश की अर्थव्यवस्था में छोटे व्यवसायों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस स्थिति में सरकार की नीति या आदेश का असर यदि आम जनता के अस्तित्व पर पड़ने लगे। उस पर गंभीरता के साथ विचार विमर्श कर निर्णय करना आवश्यक हो जाता है। केंद्र सरकार द्वारा 10 मार्च 2026 को एस्मा लागू करते हुए रिफाइनरियों और गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियों और डीलरों के लिए 6 महीने के लिए लागू किया है। इसमें रिफाइनरी और तेल कंपनियों को आपूर्ति बनाए रखने के लिए विशेष प्रावधान लागू किए गए हैं। अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति एवं कीमत बढ़ने का असर आम जनता के ऊपर प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिल रहा है। वैसी कोई तैयारी शासन स्तर पर दिख नहीं रही है। संसद सत्र में इसकी चर्चा नहीं हो रही है। इसको लेकर आम जनता के मन में वर्तमान युद्ध के हालात को देखते हुए अपने भविष्य और सरकार की विश्वसनियता को लेकर अनिश्चितता का वातावरण बढ़ता चला जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। सरकार ना तो संसद को विश्वास में ले रही है ना ही आम जनता को विश्वास में ले रही है। जिसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया आम जनता के बीच में हो रही है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 11 मार्च 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

लुधियाना के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप; स्कूल परिसर करवाया खाली

लुधियाना (आरएनएस)। पंजाब के लुधियाना जिले में तीन स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी भरा संदेश सीबीएसई से जुड़े इन स्कूलों को करीब सुबह 7 बजे प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल परिसरों में बम होने की जानकारी दी गई थी।धमकी मिलते ही स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस और स्थानीय प्रशासन को सूचित किया। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंचीं और स्कूल परिसरों की गहन तलाशी अभियान शुरू किया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं; सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

जैसे मुगल साम्राज्य के अंतिम बादशाह बहादुर शाह जफर थे, उसी प्रकार राहुल गांधी अंतिम एलओपी हैं- गिरिराज सिंह

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर कड़ा हमला बोला। सिंह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का आचरण एक अर्बन नक्सली की भांति है और यही प्रवृत्ति कांग्रेस पार्टी के अस्तित्व के अंत का कारण बनेगी। संसद परिसर के बाहर पत्रकारों से चर्चा के दौरान गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी की तुलना मुगल वंश के अंतिम शासक बहादुर शाह जफर से करते हुए उन्हें नकली गांधी परिवार का अंतिम युवराज करार दिया। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अबोध बालक समझते हैं, क्योंकि वे जो बोलते हैं और जो सोचते हैं, वह कोई समझ नहीं पाता। उन्होंने कहा कि इतिहास देख लीजिए, राहुल गांधी हर मुद्दे पर अर्बन नक्सली की तरह प्रतिक्रिया देते हैं। वह अपनी हर बात से पलट जाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि किसी ने आज तक राहुल गांधी जैसा विपक्ष का नेता (एलओपी) नहीं देखा। पहले खुद ही सदन को जानकारी देते हैं कि इन विषयों पर हम चर्चा चाहते हैं और जब उस पर चर्चा होनी होती है तो वहां से भाग जाते हैं।

उनका कहना है कि राहुल गांधी को अब केवल अर्बन नक्सली की तरह पोज देना होता है, बाकी उन्हें किसी चीज से मतलब नहीं है। वह पहले तो मुद्दे खड़े करते हैं, लेकिन जैसे ही चर्चा का समय आता है, वह सदन से निकल जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन के कार्य और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेना विपक्ष के नेता का फर्ज़ है, न कि केवल पब्लिसिटी या नाटक दिखाना।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं कांग्रेस के लिए कामना करता हूं कि राहुल गांधी के नेतृत्व में इनकी सरकार चलती रहे, लेकिन जिस तरह से उनका स्वभाव है उससे यह हो पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जैसे मुगल साम्राज्य के अंतिम बादशाह बहादुर शाह जफर थे, उसी प्रकार अंतिम एलओपी राहुल गांधी हैं। उन्होंने गांधी परिवार को नकली बताते हुए कहा कि राहुल गांधी अंतिम अबोध युवराज हैं।

आतंकी गतिविधियों में संलिप्त तीन कर्मचारियों को जम्मू-कश्मीर सरकार ने किया बर्खास्त

श्रीनगर(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने जलशक्ति विभाग से जुड़े तीन कर्मचारियों को राष्ट्र-विरोधी और आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने के बाद बर्खास्त कर दिया है। जम्मू-कश्मीर सरकार के जलशक्ति विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया कि अनंतनाग जिले के बिजबेहरा निवासी अस्थायी कर्मचारी शौकत अहमद जरगर पर कार्रवाई की गई है। 2019 में दर्ज मामले में संलिप्तता के कारण शौकत अहमद को सेवामुक्त किया गया है। कथित आतंकवादी गतिविधियों और साजिश से संबंधित इस मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद वर्तमान में सुनवाई चल रही है। अलग आदेशों में सरकार ने किश्तवाड़ जिले के अस्थायी कर्मचारी लियाकत अली भगवान और कौसर हुसैन भगवान को भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के कारण सेवामुक्त कर दिया है। इन पर यूएपीए के तहत आरोप दायर किए गए हैं, जिसमें चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है और मामला विचाराधीन है। सेवा समाप्ति के आदेशों में कहा गया है कि यह कार्रवाई प्रशासन के हित में की गई है।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 9 मार्च को शोपियां में बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स के अवैध कारोबार से अर्जित की गई एक दो मंजिला रिहायशी संपत्ति को जब्त कर लिया है। इसकी अनुमानित कीमत 55,21,189 रुपए बताई गई है। यह संपत्ति जरकान केलर क्षेत्र के निवासी गुलाम मोहम्मद खांडे की थी।

निर्दोषों को मारा जा रहा है... हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन, अफगानिस्तान को लेकर भारत ने यूएन में पाक को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान की जमीन पर किए गए ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और किसी भी देश की संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन हैं।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव की हालिया रिपोर्ट में सीमा पार सशस्त्र हिंसा के कारण नागरिकों के हताहत होने पर गहरी चिंता जताई गई है। भारत इस चिंता का समर्थन करता है और सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय तथा मानवीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने की अपील करता है, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भारत ने यह भी कहा कि पवित्र रमजान के महीने में हुए इन हमलों में बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिकों की जान गई है। संयुक्त राष्ट्र सहायता

मिशन (UNAMA) के अनुसार 6 मार्च 2026 तक 185 नागरिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें लगभग 55 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इन हमलों के कारण एक लाख से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। भारत ने इसे बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि एक ओर अंतरराष्ट्रीय कानून और इस्लामी एकजुटता की बात करना और दूसरी ओर रमजान के दौरान निर्दोष नागरिकों पर हमले करना पूरी तरह पाखंड है। अपने संबोधन में भारत ने अफगानिस्तान के युवाओं और वहां के क्रिकेट के प्रति उत्साह का भी उल्लेख किया। पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि आज यदि कोई अफगानिस्तान जाए तो वहां के युवा बड़े उत्साह के साथ क्रिकेट खेलते दिखाई देते हैं। अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम जहां भी खेलती है, वह लोगों का दिल जीत लेती है। भारत ने कहा कि अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम ने हालिया विश्व कप में शानदार प्रदर्शन और जज़्बा दिखाया है। इस सफर में भागीदार होने पर भारत को गर्व है और यह देखकर खुशी होती है कि यह टीम कठिन परिस्थितियों से जूझ रहे लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला रही है। भारत ने अपने बयान में आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया। पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि आईएसआईएल और अल-कायदा जैसे आतंकी संगठनों के साथ-साथ उनके सहयोगी संगठनों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर समन्वित कार्रवाई बेहद जरूरी है।

कोविड वैक्सीन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा निर्देश, गंभीर दुष्प्रभाव के मामलों में बने नो-फॉल्ट कंपंसेशन नीति

नई दिल्ली(आरएनएस)। कोविड-19 टीकाकरण से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि कोविड-19 वैक्सीन लेने के बाद यदि किसी व्यक्ति

को गंभीर प्रतिकूल दुष्प्रभाव झेलने पड़ते हैं, तो ऐसे मामलों में राहत देने के लिए नो-फॉल्ट कंपंसेशन सिस्टम तैयार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह व्यवस्था केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माध्यम से लागू की जानी चाहिए। अदालत के अनुसार, इस नीति का उद्देश्य उन लोगों को सहायता देना है, जिन्हें टीकाकरण के बाद गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का सामना करना पड़ा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस नई नीति में ऐसे मामलों के लिए मुआवजे का प्रावधान होना चाहिए, जहां वैक्सीन लेने के बाद गंभीर दुष्प्रभाव सामने आए हों। हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए जो मौजूदा तंत्र पहले से काम कर रहा है, वह आगे भी जारी रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इस निगरानी प्रणाली से जुड़ा प्रासंगिक डेटा समय-समय पर सार्वजनिक किया जा सकता है, ताकि लोगों को सही जानकारी मिलती रहे और पारदर्शिता बनी रहे। अदालत ने वैज्ञानिक आकलन से जुड़े मुद्दे पर भी टिप्पणी की।

कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान पुस्तक पर विवाद : एनसीईआरटी ने विवादित अध्याय वापस लिया, माफी भी मांगी

नई दिल्ली(आरएनएस)। एनसीईआरटी ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की एक नई पुस्तक को वापस लेने और उसमें शामिल विवादित अध्याय पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का निर्णय लिया है। यह कदम उस विवाद के बाद उठाया गया है, जो पुस्तक के अध्याय 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' को लेकर सामने आया था।

पुस्तक के चैप्टर IV में न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों—जैसे भ्रष्टाचार, मामलों का भारी बैकलॉग, जजों की कमी और अन्य संवेदनशील मुद्दों—का उल्लेख किया गया था। न्यायपालिका से जुड़े इन विवरणों को लेकर व्यापक बहस छिड़ गई और इसे अदालत की गरिमा से जोड़कर देखा जाने लगा।

NCERT ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस अध्याय में अनुचित पाठ्य सामग्री और अनुमोदन प्रक्रिया में त्रुटि रह गई थी, जिसके कारण यह सामग्री गलती से पुस्तक में शामिल हो गई। परिषद ने स्पष्ट किया कि किसी भी संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का उनका कोई इरादा नहीं था और इस गलती के लिए उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए माफी भी मांगी है।

इस मामले में Supreme Court of India ने स्वत: संज्ञान लेते हुए कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्था की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी कंटेंट स्वीकार्य नहीं है। अदालत ने पुस्तक को प्रभावी रूप से प्रतिबंधित करते हुए उसकी सभी प्रतियों को वापस लेने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 11 मार्च को तय की गई है।

NCERT ने अपने बयान में कहा, हम हुई असुविधा के लिए खेद

व्यक्त करते हैं और सभी हितधारकों की समझदारी की सराहना करते हैं।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब स्कूल की पाठ्यपुस्तकों और उनमें संवैधानिक संस्थाओं के चित्रण को लेकर निगरानी बढ़ गई है। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि NCERT की किताबें देशभर के केंद्रीय और कई राज्य बोर्ड से जुड़े स्कूलों में पढ़ाई जाती हैं। ऐसे में किसी भी अध्याय को हटाने या पाठ्यक्रम में बदलाव का असर सीधे छात्रों और शिक्षकों पर पड़ता है। आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए संशोधित पाठ्यक्रम को लेकर परिषद की ओर से जल्द ही और स्पष्टीकरण आने की उम्मीद है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में एक इवेंट में डिफेंस फोर्सेज विजन 2047= ए रोडमैप फॉर ए फ्यूचर-रेडी इंडियन मिलिट्री को जारी करने के दौरान भाषण दिया। साथ में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान भी दिख रहे हैं।

ष्टरुयोगी की मां को गाली देकर बुरी तरह फंसा मौलाना, यूपी के 83 थानों में FIR दर्ज, गिरफ्तारी की उल्टी गिनती शुरु

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां पर अभद्र टिप्पणी करने वाले बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सलीम की मुश्किलें अब चरम पर पहुंच गई हैं। मौलाना के इस विवादित बयान के बाद पूरे उत्तर प्रदेश का हिंदू समाज आक्रोशित होकर सड़कों पर उतर आया है।

यूपी के शहर-शहर में मौलाना के खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और अब तक 83 पुलिस थानों में शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं। लोगों के इस भारी गुस्से और पुलिस के कड़े एक्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि यूपी पुलिस किसी भी वक्त मौलाना सलीम को गिरफ्तार कर सकती है।मौलाना अब्दुल्ला सलीम की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर पूरे प्रदेश में जगह-जगह उनके पुतले फूंके जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज मंगलवार शाम 4 बजे राजधानी लखनऊ के प्रमुख हजरतगंज चौराहे पर राजपूत करणी सेना द्वारा मौलाना का पुतला जलाकर विशाल विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस उग्र प्रदर्शन को लेकर पूरे लखनऊ शहर में मौलाना सलीम के खिलाफ कड़े पोस्टर भी चस्पा कर दिए गए हैं। इसके अलावा, हिंदू संगठनों ने ऐलान किया है कि बुधवार को भी लखनऊ समेत यूपी के कई बड़े जिलों में इसी तरह सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रताड़ना, मारपीट और अवैध संबंध, इस स्टार क्रिकेटर पर पत्नी ने लगाए गंभीर आरोप

कानपुर (आरएनएस)। कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पूर्व आईपीएल खिलाड़ी अमित मिश्रा और उनके परिवार के खिलाफ उनकी पत्नी गरिमा तिवारी ने घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए अदालत में नया मुकदमा दायर किया है। जानकारी के मुताबिक, 9 मार्च 2026 को गरिमा तिवारी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में शिकायत दाखिल की। शिकायत में उन्होंने पति अमित मिश्रा और उनके परिवार पर लगातार मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना, मारपीट और अवैध संबंधों के आरोप लगाए हैं।

गरिमा तिवारी, जो कानपुर के बिरहाना रोड की निवासी और पूर्व मॉडल हैं, का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने कानूनी कार्रवाई की है। इससे पहले भी उन्होंने कानपुर पुलिस कमिश्नर और फिलखाना थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पिछले एक वर्ष से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें अदालत का सहारा लेना पड़ा।

गरिमा का आरोप है कि अमित मिश्रा की पहुंच और प्रभाव के कारण पुलिस स्तर पर उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। फिलहाल कोर्ट ने इस मामले में घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज करते हुए

आरोपी पक्ष को नोटिस जारी कर दिया है।

गरिमा तिवारी ने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी मुलाकात वर्ष 2020 में इंस्टाग्राम के जरिए अमित मिश्रा से हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और कुछ महीनों बाद अमित ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया। परिवार की सहमति से 26 अप्रैल 2021 को कानपुर क्लब में दोनों की शादी हुई। हालांकि गरिमा का आरोप है कि सगाई के बाद से ही अमित और उनके परिवार ने लग्जरी कार और अन्य महंगे सामान की मांग करते हुए दबाव बनाना शुरू कर दिया था।

गरिमा का कहना है कि शादी के बाद भी दहेज की मांग जारी रही। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शादी के करीब एक साल बाद उन्हें अमित की कई युवतियों के साथ इंस्टाग्राम चैटिंग के स्क्रीनशॉट मिले। विरोध करने पर अमित ने तलाक की धमकी दी और मारपीट की। गरिमा के मुताबिक, अमित घर खरीदने के बहाने पैसों की मांग करते थे और मना करने पर उनके साथ मारपीट करते थे।गरिमा ने अपनी शिकायत में पति के साथ-साथ सास बीना मिश्रा, ससुर शशिकांत मिश्रा, जेठ अमर मिश्रा, जेठानी ऋतु मिश्रा और ननद स्वाति पर भी उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि सास अतिरिक्त दहेज की मांग करती थीं और ननद उनके पहनावे और रहन-सहन को लेकर ताने देती थीं। लगातार प्रताड़ना के कारण गरिमा डिप्रेशन की शिकार हो गईं और पिछले एक वर्ष से मायके में रहकर इलाज करा रही हैं। उन्होंने अदालत से एक करोड़ रुपये का हर्जाना, मासिक भत्ता, अपने आभूषणों की वापसी और पति के घर में रहने का अधिकार देने की मांग की है।

हर आंगनबाड़ी से 10 हजार मांगने का वीडियो वायरल, एटा के सीडीओ निलंबित

एटा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में तैनात मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) पर कथित भ्रष्टाचार मामले में शासन स्तर से बड़ी कार्रवाई हुई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से पैसे मांगने पर सीडीओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एटा के मुख्य विकास अधिकारी नागेंद्र नारायण मिश्रा डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर संजीव पचौरी से हर आंगनबाड़ी से 10 हजार रुपए की व्यवस्था कराने की बात करते दिखाई दे रहे हैं। वह कह रहे हैं, हर आंगनबाड़ी से 10 हजार रुपये चाहिए। आप अपने आदमी हैं पचौरी, पैसे दिलवाइए। डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर ने कथित तौर पर इस मांग को मानने से इनकार दिया। उन्होंने पैसे के किसी भी लेनदेन में शामिल होने से मना कर दिया। वहीं, वायरल वीडियो सामने आने के बाद मामला शासन तक पहुंचा गया।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर सीडीओ नागेंद्र नारायण मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। नागेंद्र नारायण मिश्रा ग्राम्य विकास सेवा (बीडीओ) से प्रोन्नत होकर सीडीओ बने हैं।

टी20 विश्व कप ट्रॉफी मंदिर में ले जाना हमारी परंपरा नहीं, भारतीय टीम पर आती है शर्म

-कीर्ति आजाद बोले- इसे मस्जिद, चर्च या फिर गुरुद्वारे में क्यों नहीं ले जाया गया ?

नई दिल्ली,(ए.)। भारत की टी20 विश्व कप जीत पर जश्न के बाद अब

विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा है कि ट्रॉफी को मंदिर ले जाना हमारी परंपरा नहीं है। इससे पहले टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने भी ट्रॉफी को मंदिर ले जाने पर नाराजगी जताई थी और कहा था कि भारतीय टीम पर शर्म आती है। बता दें रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि कीर्ति आजाद का कहना बिल्कुल सही है। मैं उनकी बातों से पूर्ण रूप से सहमत हूं। यह हमारे यहां परंपरा नहीं है कि हम ट्रॉफी को लेकर मंदिर और मस्जिद और कहीं दूसरी जगह ले जाएं। तो यह एक गलत परंपरा की शुरुआत है। वहीं टीएमसी सांसद आजाद ने लिखा था कि टीम इंडिया पर शर्म आती है! जब हमने 1983 में कपिल देव की कप्तानी में विश्व कप जीता था, तब हमारी टीम में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी धर्मों के खिलाड़ी शामिल थे। हम उस ट्रॉफी को अपनी जन्मभूमि, अपनी मातृभूमि, हिंदुस्तान लेकर आए थे। फिर अब भारतीय क्रिकेट ट्रॉफी को किसी एक खास जगह पर ही क्यों घुमाया जा रहा है? इसे मस्जिद, चर्च या फिर गुरुद्वारे क्यों नहीं ले जाया गया?उन्होंने लिखा कि यह टीम पूरे भारत का प्रतिनिधित्व करती है, यह सूर्य कुमार यादव या जय शाह के परिवार की निजी टीम नहीं है। सिराज इसे कभी किसी मस्जिद नहीं ले गए। संजू इसे कभी किसी चर्च नहीं ले गए, जबकि इस जीत में संजू की अहम भूमिका थी और वह मैन ऑफ द टूर्नामेंट रहे। यह ट्रॉफी हर धर्म के 140 करोड़ भारतीयों की है, यह किसी एक धर्म की जीत का जश्न नहीं है।

स्मार्ट सिटी पर विधानसभा में उठे सवाल, मंत्री ने जांच के दिए आदेश

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान रायपुर स्मार्ट सिटी परियोजना में कथित अनियमितताओं को लेकर सदन में चर्चा हुई। सत्ता पक्ष के ही कुछ विधायकों ने परियोजना के कामकाज पर सवाल उठाए, जिसके बाद नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने मामले की जांच कराने की घोषणा की। भाजपा विधायक सुनील सोनी ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से कहा कि रायपुर स्मार्ट सिटी परियोजना में करीब 30 करोड़ रुपये के कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सिर्फ म्यूजिकल फाउंटेन पर ही लगभग 5.24 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। सोनी ने यह भी कहा कि उनकी शिकायत के आधार पर केंद्र सरकार द्वारा पहले ही जांच कराई जा चुकी है, जिस पर करीब 18 लाख रुपये खर्च हुए थे। उन्होंने उस जांच रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखने की मांग की।

इस मुद्दे पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर और धर्मलाल कौशिक ने भी स्मार्ट सिटी के कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और पारदर्शिता की मांग की। जवाब में मंत्री अरुण साव ने कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना से जुड़ी किसी भी शिकायत या गड़बड़ी का परीक्षण कराया जाएगा। यदि जांच में कोई अनियमितता सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसी दौरान कांग्रेस विधायक द्वारिकाधीश यादव ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से शिरपुर महोत्सव के आयोजन में आय-व्यय और संचालन व्यवस्था में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। इस पर संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के आयोजन के लिए 15 लाख रुपये का आबंटन किया गया था, जिसमें से 10 लाख रुपये प्रचार-प्रसार पर खर्च किए गए।

रवीना टंडन की लाडली राशा थडानी ने की नई शुरुआत, महादेव से मांगा आशीर्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल न हुई लेकिन राशा ने अपने अभिनय और डांस की कला से लोगों को मुरीद बना लिया। जल्द ही वह अपनी दूसरी फिल्म लाइक लाइका के जरिए दर्शकों का दिल जीतते दिखाई देंगी, लेकिन इससे पहले उन्होंने एक नई शुरुआत की है। इसके लिए राशा महादेव की शरण में पहुंची और उन्होंने भगवान से आशीर्वाद लिया।राशा ने अपनी आगामी फिल्म लाइक लाइका के गाने छाप तिलक से गायन के क्षेत्र में कदम रखा है। उनका यह गाना यूट्यूब पर जारी किया गया है, जिसे लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती दिखाई दे रही है। गाने की रिलीज के बाद, राशा महादेव का आशीर्वाद लेने और उन्हें गाने को समर्पित करने के लिए मंदिर पहुंची। उन्होंने महादेव की भक्ति में लीन होते हुए कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की हैं।राशा की आगामी फिल्म लाइक लाइका इसी साल 2026 की गर्मियों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में उनके साथ मुंज्या वाले अभय वर्मा मुख्य किरदार में नजर आएंगे। निर्माताओं ने फिल्म के पोस्टर पहले ही जारी कर दिए हैं। सौरभ गुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म का निर्माण भावना दत्ता तलवार और राघव गुप्ता ने मिलकर किया है। यह फिल्म गहन रोमांटिक-एक्शन कहानी पर आधारित होने का संकेत देती है।

लाहौर 1947 का बदला गया नाम? अब 13 अगस्त को 'बंटवारा 1947' टाइटल से रिलीज होगी सनी देओल की फिल्म

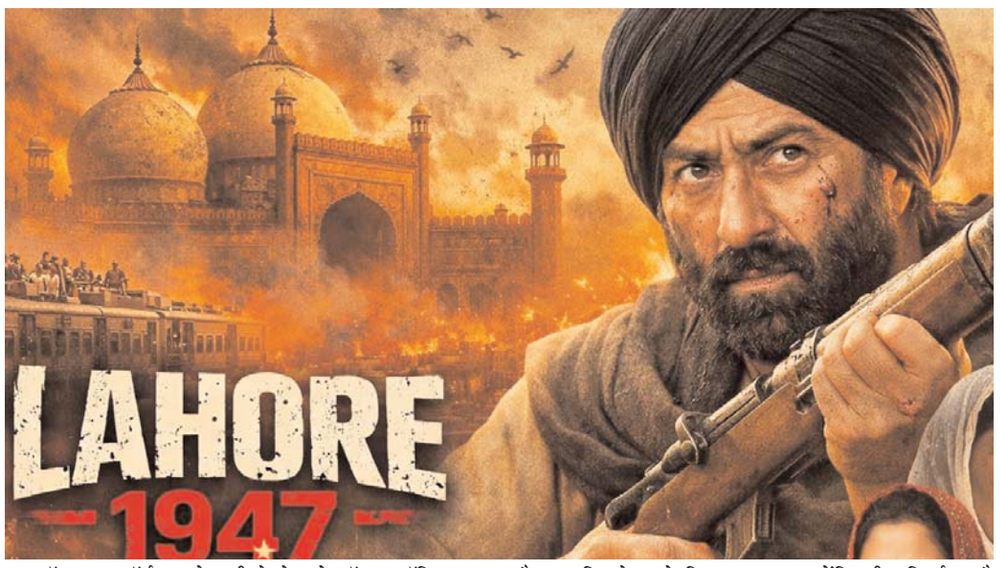

वॉर ड्रामा बॉर्डर 2 से सनी देओल ने बॉक्स ऑफिस पर खूब गदर मचाया. वहीं अब एक्टर आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म से बड़े पर्दे पर फिस से धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं. इस अपकमिंग फिल्म का नाम पहले लाहौर 1947 रखा गया था. लेकिन अब मेकर्स ने फिल्म का टाइटल बदल दिया है. जानते हैं आमिर खान और सनी देओल स्टारर फिल्म का नया नाम क्या रखा जाएगा?

राजकुमार संतोषी निर्देशित मच अवेटेड फिल्म 'लाहौर 1947' का टाइटल बदला जा रहा है. दरअसल फिल्म मेकर्स को चिंता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के बीच लाहौर नाम जोड़ने से परेशानी हो सकती है.

रिपोर्ट के मुताबिक, 'लाहौर 1947' का नाम बदलकर 'बटवारा 1947' कर दिया गया है. फिल्म का नाम बदलने का फैसला पिछले हफ़्ते लिया गया था क्योंकि टीम सिर्फ़ लाहौर पर फ़ोकस करने के बजाय 1947 के बंटवारे की दुखद घटना को दिखाने और एक बड़ी भावना दिखाना चाहती थी'

सनी देओल ने बताया कि लाहौर 1947 का आइडिया कैसे आया. बॉर्डर 2 स्टार ने बताया, यह एक ऐसा सब्जेक्ट था जिस पर राजकुमार संतोषी और मैं सालों से बात कर रहे थे. हम इसे करने की कोशिश करते रहे. उन्होंने आगे कहा, ज़ाहिर है, गदर के बाद यह मुमकिन हो गया. आमिर मेरे पास आए और कहा कि वह यह प्रोजेक्ट बनाना चाहते हैं. बाद में, सबने हां कह दी.

फिल्म के बारे में बात करते हुए, सनी ने बताया था, सब्जेक्ट बहुत इमोशनल है. राजकुमार संतोषी और मैंने तीन इंटेंस फिल्में दी हैं. लाहौर 1947 में किरदारों में इंटेंसिटी और डेप्थ है. यह एक प्ले है जिसे अडैप्ट किया गया है. उम्मीद है, हम इसे जल्द से जल्द रिलीज़ करने की कोशिश करेंगे.

असगर वजाहत के मशहूर प्ले जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नी पर बेस्ड यह फिल्म पार्टीशन के समय की है. कहानी एक मुस्लिम परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है जो लखनऊ से लाहौर माइग्रेट करता है और उसे एक हिंदू परिवार द्वारा खाली की गई हवेली अलॉट की जाती है. हालांकि, चीजें तब ड्रामैटिक मोड़ लेती हैं जब उन्हें पता चलता है कि हिंदू परिवार अभी भी घर में रह रहा है और जाने से मना कर रहा है.

सनी के किरदार में शाहिद कपूर की वापसी, राज एंड डीके संग शुरु की फर्जी 2 की शूटिंग

साल 2023 की सुपरहिट वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ी खबर है. एक्टर शाहिद कपूर ने ऑफिशियली फर्जी 2 की शूटिंग शुरू कर दी है. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास तस्वीर शेयर कर इस बात की जानकारी दी. इस फोटो में शाहिद कपूर, राज निदिमोरू और कृष्णा डीके यानी राज एंड डीके के साथ नजर आ रहे हैं. जैसे ही यह अपडेट सामने आया, सोशल मीडिया पर सीरीज को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई.

शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की है, उसमें वह सेट पर राज एंड डीके के साथ दिखाई दे रहे हैं. फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, फर्जी 2 डे 1... बैक एट इट! इसका मतलब हैं कि यह फर्जी 2 की शूटिंग का पहला दिन है. इस पोस्ट के सामने आते ही फैंस में उत्साह बढ़ गया. वहीं सीरीज के मेकर्स राज एंड डीके ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर इस प्रोजेक्ट की ओर इशारा किया. उन्होंने करेंसी नोटों की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, राउंड 2 इन प्रोग्रेस. इससे साफ हो गया कि फर्जी का दूसरा सीजन अब बनना शुरू हो चुका है. लंबे समय से फैंस इस सीजन का इंतजार कर रहे थे और अब शूटिंग शुरू होने की खबर ने दर्शकों की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है.

थलापति विजय की फिल्म जन नायकन फिर अधर में लटकी, स्थगित हुई स्क्रीनिंग

थलापति विजय पिछले कुछ समय से निजी और कामकाजी जिंदगी को लेकर खबरों में हैं। एक ओर, उनकी पत्नी संगीता सोरनालिंगम ने चेन्नई की एक अदालत में विजय से तलाक के लिए अर्जी लगाई है। वहीं दूसरी ओर, अभिनेता की फिल्म जन नायकन को एक और बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की समीक्षा समिति द्वारा फिल्म की स्क्रीनिंग को अचानक स्थगित कर दिया गया है। बता दें, स्क्रीनिंग 9 मार्च को दोपहर 2 बजे होनी थी।रिपोर्ट के मुताबिक, समीक्षा समिति के एक सदस्य के बीमार पड़ जाने के कारण जन नायकन की स्क्रीनिंग को अनिश्चितकाल के लिए रद्द करना पड़ा है। बताया जाता है कि निर्माता केवीएन प्रोडक्शन को कथित तौर पर 8 मार्च को पुनर्निर्धारित स्क्रीनिंग के बारे में आधिकारिक सूचना मिल गई थी, लेकिन इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण अचानक फैसला बदलना पड़ा।

श्रद्धा कपूर ने दोबारा शुरु की ईथा की शूटिंग, इस कारण लेना पड़ा था ब्रेक

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आगामी फिल्म ईथा को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी रही फिल्म में अभिनेत्री को तमाशा कलाकार विथाबाई नारायणगांवकर के किरदार में देखा जाएगा। निर्माताओं ने फिल्म पर काम 2025 से शुरू कर किया था, लेकिन नवंबर में श्रद्धा ने शूटिंग से दूरी बना ली थी। हालांकि, अब श्रद्धा सेट पर वापस आ चुकी हैं। उन्होंने मुंबई के मलाड स्थित मार्वे बीच पर शूटिंग शुरू कर दी है।

सूत्र ने बताया, टीम ने मार्वे बीच पर एक गांव का सेट तैयार किया है। श्रद्धा के ठीक होने तक लक्ष्मण ने सेटों को वैसे ही रहने दिया। अब, उन्होंने एक डांस नंबर की शूटिंग शुरू की है, जिसमें श्रद्धा का किरदार मेले के बीच एक स्टेज पर परफॉर्म करता नजर आएगा। वैभवी मर्चेंट डांस नंबर की कोरियोग्राफी कर रही हैं। नवंबर, 2025 में शूटिंग करते वक्त श्रद्धा के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। 1940 से 1990 के बीच घटित होने वाली ईथा फिल्म पंढरपुर में जन्मी कलाकार नारायणगांवकर की बायोपिक होगी जिसमें उनकी लोकप्रियता के शुरुआती अनुभव और उनकी आर्थिक तंगी के सफर को दिखाया जाएगा। इस समय नारायणगांवकर के 40 साल के दृश्यों की शूटिंग चल रही है जो फरवरी में पूरी होगी। इसके बाद, अभिनेत्री उन दृश्यों की शूटिंग करेंगी जिसमें 20 से 30 साल की उम्र वाले दृश्य शामिल हैं। इस चरण को अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य है।

आलिया भट्ट और शरवरी वाग की स्पाई थ्रिलर अल्फा की बदली रिलीज डेट, अब 10 जुलाई को थिएटर में दस्तक देगी फिल्म

आलिया भट्ट और शरवरी की आगामी फिल्म अल्फा की नई रिलीज डेट का आखिरकार आ ही गई. इससे इसके सिनेमाघरों में रिलीज होने को लेकर महीनों से चल रही अटकलों का अंत हो गया है. पिछले कुछ महीनों से ऐसी खबरें आ रही थीं कि सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से बॉक्स ऑफिस पर क्लैश से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित किया जा सकता है. कुछ अफवाहों में यह भी कहा गया था कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होगी और सीधे किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो जाएगी. हालांकि मेकर्स के नए एलान से इसकी पुष्टि हो गई है कि फिल्म सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी.आलिया भट्ट की लंबे समय से अटकी

फिल्म अल्फा अब 10 जुलाई 2026 को रिलीज होगी. यह फिल्म पहले दिसंबर 2025 और फिर अप्रैल 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी नई रिलीज डेट तय हो गई है.मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है, जिसमें आलिया भट्ट की एक झलक दिखाई गई, साथ ही फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में आधिकारिक जानकारी भी दी गई, जिसमें शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल शामिल हैं.अल्फा को पहले क्रिसमस 2025 को रिलीज करने की योजना थी. बाद में, मेकर्स ने तारीख बदलकर 17 अप्रैल, 2026 कर दी. हालांकि, उसी तारीख को सलमान खान अभिनीत फिल्म बैटल ऑफ गलवान भी रिलीज होने वाली थी. बॉक्स ऑफिस पर सीधे टकराव से बचने के लिए, फिल्म मेकर्स ने अल्फा को आगे की तारीख में रिलीज करने का फैसला किया.

घर पर भी बनाया जा सकता है प्राकृतिक परफ्यूम, बस ध्यान में रखनी होंगी ये बातें

बाजार में वैसे तो ढेरों परफ्यूम मिलते हैं, लेकिन उनमें कई रसायम मिलाए जाते हैं। ऐसे में बेहतर होता है प्राकृतिक परफ्यूम लगाना। घर पर प्राकृतिक परफ्यूम बनाना एक कला है, जिसके जरिए आप अपनी व्यक्तिगत पसंद के मुताबिक खुशबू तैयार कर सकते हैं। जरूरी तेल, आधार तेल और दूसरी प्राकृतिक चीजें इस्तेमाल करके आप ऐसी खुशबू बना सकते हैं, जिसमें कोई बनावटी रसायन नहीं होंगे। इसके दौरान इन टिप्स का पालन करें।

आवश्यक तेल का ऐसे करें चुनाव

परफ्यूम के लिए आवश्यक तेल सबसे जरूरी सामग्री हैं। ऐसे तेल चुनें, जो एक-दूसरे के साथ अच्छे लगें और आपकी पसंद के भी हों। लोग लैवेंडर को मन शांत करने के लिए चुनते हैं, खट्टे फल वाले तेल ताजगी के लिए अच्छे होते हैं और गुलाब की खुशबू खास लगती है। अलग-अलग तेलों को मिलाकर आजमाएं, ताकि आप अपनी पसंद की खुशबू तलाश सकें। यह बात भी ध्यान रखें कि हर तेल की महक अलग होती है।

आधार तेलों को समझें

आधार तेल आवश्यक तेलों को पतला करते हैं और त्वचा पर लगाने में आसानी देते हैं। जोजोबा, बादाम और नारियल का तेल कुछ आम आधार तेल हैं। हर तेल की अपनी बनावट और खुशबू होती है, जिससे आखिरी खुशबू में फर्क आता है। जोजोबा तेल को कई लोग पसंद करते हैं, क्योंकि यह त्वचा के प्राकृतिक तेल जैसा होता है और लगाने पर चिपचिपा नहीं लगता। ऐसा आधार तेल चुनें, जो आपके चुने हुए आवश्यक तेलों के साथ अच्छा लगे।

खुशबू की परतों पर दें ध्यान

परफ्यूम में आमतौर पर खुशबू की 3 परतें होती हैं: ऊपरी, बीच वाली और आखिरी परत। ऊपरी परत की खुशबू सबसे पहले नाक में आती है, लेकिन यह जल्दी ही खत्म हो जाती है। खट्टे फल या जड़ी-बूटियों जैसी खुशबू इस परत के लिए सही हैं। बीच वाली परत परफ्यूम की मुख्य खुशबू होती है। इनमें अक्सर फूलों या मसालेदार खुशबू होती है, जैसे लैवेंडर या दालचीनी। आखिरी परत खुशबू को गहराई देती है, जो देर से सामने आती है।

घर पर बने परफ्यूम हो ऐसे करें स्टोर

अपने घर के बने परफ्यूम को लंबे समय तक ताजा और खुशबूदार रखने के लिए उन्हें सही तरीके से रखना बहुत जरूरी है। अपने परफ्यूम को हमेशा कांच की काली बोतलों में रखें और उन्हें सीधी धूप से दूर रखें। धूप से आवश्यक तेलों की गुणवत्ता धीरे-धीरे खराब हो सकती है। साथ ही, इन्हें ठंडी जगहों पर रखें और हीटर या चूल्हे जैसी गरम चीजों से दूर रखें। ऐसी गर्मी से भी समय के साथ वे खराब हो सकते हैं।

गर्मियों के दौरान चिपचिपे बालों को प्रबंधित करने के लिए आजमाएं ये 5 तरीके

गर्मियों में पसीना और उमस के कारण बाल अधिक चिपचिपे हो सकते हैं, जिससे असहजता महसूस होती है। चिपचिपे बालों के कारण बाल उलझे हुए भी नजर आते हैं और इस वजह से कई बार महिलाएं डैंड्रफ से भी परेशान हो जाती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप चिपचिपे बालों को आसानी से प्रबंधित कर सकते हैं।

सिर धोने के बाद सिर को सूखा रखें

सिर धोने के बाद बालों को सूखा रखना चाहिए। इसके लिए आप एक मुलायम तौलिये से बालों को हल्के हाथों से पोंछ लें। इसके बाद बालों को खुला ही छोड़ दें। इससे सिर पर मौजूद तेल और पसीना आसानी से सूख जाएगा। इसके अतिरिक्त बालों को कंघी करने से पहले उन्हें सुखाने के लिए छोड़ दें। ऐसा करने से बालों में चिपचिपाहट नहीं होगी और वे अच्छे से सेट हो जाएंगे।

बालों को धोने के लिए हल्के शैंपू का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने बालों को धोने के लिए कठोर शैंपू का इस्तेमाल करते हैं तो यह आपके बालों की प्राकृतिक नमी को छीन सकता है और उन्हें और भी चिपचिपा बना सकता है। इसलिए अपने बालों को धोने के लिए हमेशा हल्के और प्राकृतिक शैंपू का ही इस्तेमाल करें। इससे आपके बाल साफ भी रहेंगे और उनकी नमी भी बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त बालों में चमक भी बनी रहेगी और वे स्वस्थ दिखेंगे।

बालों को धोने के लिए ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

गर्मियों में बालों को धोने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए क्योंकि यह सिर को ठंडक देता है और बालों को ताजगी प्रदान करता है। गर्म पानी से बाल धोने से बाल रूखे हो सकते हैं और उनकी चमक भी चली जाती है। ठंडा पानी बालों के प्राकृतिक तेल को बनाए रखने में मदद करता है और उन्हें नमी भी प्रदान करता है। इसके साथ ही यह बालों को स्वस्थ और चमकदार बनाता है।

सिर धोने के बाद कंघी न करें

सिर धोने के तुरंत बाद कंघी करना सही नहीं है क्योंकि इससे बाल उलझ सकते हैं और उनकी जड़ें कमजोर हो जाती हैं। इसलिए बालों को धोने के बाद उन्हें प्राकृतिक रूप से सूखने दें। अगर बाल उलझ गए हैं तो पहले उंगलियों से हल्के-हल्के सुलझा लें। इसके बाद चौड़ी दांत वाली कंघी का इस्तेमाल करें ताकि बाल आसानी से सुलझ जाएं। ऐसा करने से बालों की जड़ें भी मजबूत रहेंगी और वे स्वस्थ दिखेंगे।

बालों को बांधें

अगर आपके पास बालों को धोने का समय नहीं है तो उन्हें बांध लें। इसके लिए आप ऊंची चोटी या जुड़ा बना सकती हैं। इससे चिपचिपाहट कम होगी और बाल उलझेंगे भी नहीं। इसके अलावा आप बालों को बांधने से पहले एक हल्का हेयर स्प्रे भी लगा सकती हैं, जिससे वे सेट रहें और चिपचिपे न दिखें। इस तरह आप आसानी से अपने बालों की चिपचिपाहट को नियंत्रित कर सकती हैं और उन्हें स्वस्थ बना सकती हैं।

राजनीतिक दबाव नहीं होगा तो यूरोप का करेंगे सहयोग, यूरोपीय देशों में तेल-गैस की किल्लत पर पुतिन का बड़ा बयान

मॉस्को (आरएनएस) । पुतिन ने कहा है कि रूस यूरोपीय खरीदारों को तेल और गैस की आपूर्ति करने के लिए तैयार है, बशर्ते यह सहयोग दीर्घकालिक हो और मॉस्को पर किसी तरह का राजनीतिक दबाव न डाला जाए। पुतिन का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, 2022 में Russia-Ukraine War शुरू होने के बाद पहली बार कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई है।

पुतिन ने कहा कि रूस एशिया में अपने भरोसेमंद साझेदारों के साथ-साथ यूरोपीय संघ के सदस्य देशों Hungary और Slovakia को भी तेल की आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अगर यूरोपीय कंपनियां और खरीदार दीर्घकालिक और स्थायी सहयोग के लिए तैयार हैं, जिसमें कोई राजनीतिक दबाव न हो, तो हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। हमने कभी इनकार नहीं किया।

पुतिन ने यह भी कहा कि रूस यूरोपीय देशों के साथ काम करने को तैयार है, लेकिन इसके लिए उन्हें स्पष्ट संकेत चाहिए कि वे स्थिर और टिकाऊ सहयोग सुनिश्चित करना चाहते हैं। गौरतलब है कि European Union ने 2022 में रूसी कच्चे तेल के समुद्री आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके अलावा यूक्रेन के रास्ते आने वाली Druzhba Pipeline को हुए नुकसान के कारण जनवरी से हंगरी और स्लोवाकिया को रूस से तेल की आपूर्ति लगभग पूरी तरह बंद हो गई है।

युद्ध कब खत्म करना है, यह अमेरिका नहीं हम तय करेंगे' ईरान का डोनाल्ड ट्रंप पर पलटवार

तेहरान (आरएनएस) । ईरान में जारी तनाव को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर तेहरान ने कड़ा जवाब दिया है। ईरान ने स्पष्ट कहा है कि युद्ध कब खत्म होगा, इसका फैसला अमेरिका नहीं बल्कि ईरान करेगा।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने बयान जारी करते हुए कहा कि क्षेत्र की मौजूदा स्थिति और भविष्य के समीकरण अब तेहरान की सैन्य ताकत के हाथों में हैं। आईआरजीसी ने जोर देकर कहा, युद्ध का अंत कब और कैसे होगा, यह हम तय करेंगे। अमेरिकी सेना इस युद्ध को खत्म नहीं करेगी।इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ संघर्ष ज्यादा लंबा नहीं चलेगा। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि यदि ईरान वैश्विक तेल आपूर्ति को प्रभावित करने की कोशिश करता है, तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। मियामी के पास अपने गोल्फ क्लब में रिपब्लिकन सांसदों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, हमने कुछ बुराइयों से छुटकारा पाने के लिए मिडिल ईस्ट का एक छोटा सा भ्रमण किया है और मुझे लगता है कि यह दौरा छोटा ही रहेगा।

इसके कुछ घंटों बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने लिखा कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल की आवाजाही रोकने की कोशिश करता है, तो अमेरिका उस पर अब तक हुए हमलों से बीस गुना ज्यादा जोरदार हमला करेगा। इस बयान के बाद दोनों देशों के बीच बयानबाजी और तेज हो गई है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

जो मजा डुबोने में है, वो पकड़ने में कहां.. ईरानी युद्धपोतों पर हमले के बाद बोले डोनाल्ड ट्रंप, 87 लोगों की हुई थी मौत

वाशिंगटन(आरएनएस) । अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच पिछले दस दिनों से जारी सैन्य तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump का एक बयान विवादों में आ गया है। हाल ही में ट्रंप ने ईरान के युद्धपोत IRIS Dena को डुबोए जाने की घटना पर ऐसी टिप्पणी कर दी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने उनसे कहा था कि जहाजों को पकड़ने से ज्यादा मजेदार है, उन्हें तबाह कर देना या डुबोना। ट्रंप ने अमेरिकी सेना के साथ बातचीत के बारे में बताते हुए कहा कि जहाज को डुबोना ज्यादा मजेदार है। उन्हें उसे डुबोना ज्यादा पसंद है। वे कहते हैं कि उसे डुबोना ज्यादा सुरक्षित है। मुझे लगता है कि यह शायद सच है।दरअसल पिछले सप्ताह अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा किए गए हमले में ईरान का युद्धपोत IRIS Dena डूब गया था। बताया गया कि इस हमले में कम से कम 87 ईरानी

सैन्यकर्मियों की मौत हुई। यह जहाज भारत की मेजबानी में आयोजित बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास MILAN naval e&ercise में भाग लेने के बाद अपने देश लौट रहा था। ईरान ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। ईरान के उप विदेश मंत्री Saeed Khatibzadeh ने कहा कि बिना हथियार वाले जहाज पर हमला अस्वीकार्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाब देना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि इस घटना का उचित जवाब दिया जाएगा। उधर ट्रंप ने ईरान के खिलाफ जारी अमेरिकी-इजरायली सैन्य अभियान Operation Epic Fury का जिक्र करते हुए दावा किया कि तेहरान की सैन्य क्षमताओं को बड़ा नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि इस संयुक्त अभियान के जरिए ईरान की ड्रोन और मिसाइल क्षमता को खत्म किया जा रहा है और उसकी नौसैनिक ताकत लगभग तबाह हो चुकी है।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अब तक ईरान के 46 जहाज समुद्र में नष्ट किए जा चुके हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है, जबकि ईरान लगातार अमेरिकी और इजरायली हमलों का जवाब देने की बात कह रहा है।

पाकिस्तान ने स्वीकारी गलती! माना- अफगानिस्तान में भारतीय मिशन को निशाना बनाया, रमजान के दौरान महिलाओं-बच्चों को पहुंचाया नुकसान

यूनाइटेड नेशंस (आरएनएस)। पाकिस्तान ने चुपचाप यह मान लिया है कि वह अफगानिस्तान में भारतीय मिशन को निशाना बना रहा था और रमजान के दौरान उसके हवाई हमलों का ज्यादातर महिलाओं और बच्चों पर असर पड़ा है। कूटनीतिक समझदारी दिखाते हुए, सोमवार को सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी सदस्य ने अफगानिस्तान पर एयर अटैक या क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म को मानवता के खिलाफ बताते हुए पाकिस्तान का नाम नहीं लिया। लेकिन पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद यह मानकर उनके जाल में फंस गए कि ये बातें उनके देश के बारे में थीं।

उन्होंने यह माना कि भारत के खिलाफ क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म और अफगानिस्तान पर एयर अटैक में इस्लामाबाद का हाथ था, जिसमें ज्यादातर औरतें और बच्चे मारे गए थे। उन्होंने यह भी माना कि अफगानिस्तान को भारत की मदद खत्म हो गई है, जब उन्होंने कहा कि भारत को अपने भारी निवेश को पाकिस्तान की सटीक और असरदार कार्रवाई की वजह से बर्बाद होते देखकर दुख हो रहा है। हालांकि जिस तरह बात कही गई उससे यह साफ था कि हरीश किसकी बात कर रहे थे, लेकिन आम कूटनीतिक प्रैक्टिस में, देश उन बुराईयों का जवाब नहीं देते जिनमें उनका नाम नहीं लिया जाता, क्योंकि ऐसा करना यह मानना होगा कि उन पर आरोप लगाया जा रहा है। बुराई में किसी देश का नाम न लेने से उन्हें बाहर निकलने का मौका मिल जाता है, और पाकिस्तान ने इसे न लेने का फैसला किया। हरीश ने आखिर में अहमद से कहा, पाकिस्तान को आईने में देखकर अपनी दिक्कतों को देखना चाहिए, न कि मेरे देश को उन दिक्कतों के लिए दोषी ठहराना चाहिए जिनका वह सामना कर रहा है।

ईरान के खिलाफ सऊदी अरब की भूमिका से खुश नहीं अमेरिका, रक्षा समझौते पर उठाए सवाल

-सीनेटर लिंडसे ने दी धमकी, सेना नहीं उतारने पर भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

वॉशिंगटन,(ए.)। ईरान की वजह से अमेरिका और सऊदी अरब के बीच तनाव पैदा हो गया है। अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने सऊदी अरब को धमकी दी है। लिंडसे ईरान के खिलाफ सऊदी अरब की भूमिका से खुश नहीं हैं। ईरान के लगातार हमलों के कारण रियाद में अमेरिकी दूतावास खाली कराया जा रहा है। लिंडसे ने कहा कि ईरान के खिलाफ सऊदी अरब अपनी सक्षम सेना का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। ईरानी हमले में सात अमेरिकियों की जान जा चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लिंडसे वही सीनेटर हैं जो भारत पर 500 फीसदी टैरिफ लगाना चाहते थे। उन्होंने अमेरिका और सऊदी अरब के रक्षा समझौते पर भी बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका आतंक खत्म करने के लिए अरबों डॉलर खर्च कर रहा है, लेकिन सऊदी अरब सिर्फ बयानबाजी कर रहा है। लिंडसे ने सेना न उतारने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के लगातार हमलों से मिडिल ईस्ट में दहशत है।

रियाद में मौजूद अमेरिकी दूतावास को खाली कराया जा रहा है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच ट्रंप और पुतिन ने फोन पर की बात, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- 'बहुत अच्छी' रही बातचीत

वाशिंगटन ,(ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध और मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष पर चर्चा हुई। अमेरिका ईरान के खिलाफ मिलिट्री ऑपरेशन जारी रखे हुए है। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच बातचीत को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनकी रूसी समकक्ष पुतिन के साथ बातचीत हुई। फ्लोरिडा में एक न्यूज कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने रूसी नेता के साथ बातचीत की पुष्टि की और कहा कि दोनों पक्षों ने मिडिल ईस्ट के हालात पर बात करने से पहले यूक्रेन में युद्ध पर चर्चा की।एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, हां, राष्ट्रपति पुतिन के साथ मेरी बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमारी तरफ से, उनकी तरफ से बहुत से लोग लाइन पर थे। हम यूक्रेन के बारे में बात कर रहे थे, जो बस एक कभी न खत्म होने वाली लड़ाई है। ट्रंप ने कहा कि बातचीत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच व्यक्तिगत तनाव पर भी चर्चा हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि रूस-यूक्रेन के बीच लड़ाई खत्म ना होने में दोनों देशों के नेताओं के बीच का व्यक्तिगत तनाव बड़ी वजह है।

खेल समाचार

IPL 2026: फैंस का इंतजार खत्म! सिर्फ 20 दिनों का आएगा शेड्यूल, BCCI ने खोला देरी का सबसे बड़ा राज

नई दिल्ली (आरएनएस) दुनिया की सबसे बड़ी और रोमांचक क्रिकेट लीग आईपीएल 2026 का बिगुल 28 मार्च से बजने वाला है। क्रिकेट फैंस इस महाकुंभ का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक पूरे सीजन का आधिकारिक शेड्यूल सामने नहीं आ सका है। इस सस्पेंस को खत्म करते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शेड्यूल जारी होने में हो रही देरी की असली वजह का खुलासा किया है और यह भी साफ कर दिया है कि आखिर कब तक फैंस को इस सीजन का कार्यक्रम देखने को मिलेगा। सैकिया ने स्पष्ट किया है कि शुरुआत में टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल एक साथ नहीं आएगा, बल्कि सिर्फ पहले 20 दिनों के मैचों की ही घोषणा की जाएगी।

पहले चरण में आएगा सिर्फ 20 दिन का शेड्यूल

न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि बोर्ड अगले दो-तीन दिनों के भीतर आईपीएल 2026 का बहुप्रतीक्षित शेड्यूल जारी करने की पूरी योजना बना रहा है। हालांकि, फिलहाल सिर्फ पहले 20 दिनों का ही कार्यक्रम फैंस के सामने रखा जाएगा। इससे पहले भी कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि इस बार शेड्यूल को दो अलग-अलग चरणों में जारी किया जाएगा और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने पहले हाफ के कार्यक्रम

को हरी झंडी दे दी है। अब सैकिया के बयान ने इन अटकलों पर पूरी तरह से मुहर लगा दी है।

चुनावों ने बिगाड़ा खेल, इसलिए हो रही है देरी

आईपीएल के पूरे शेड्यूल में हो रही इस अभूतपूर्व देरी के पीछे का सबसे बड़ा कारण देश के तीन प्रमुख राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। साल 2026 में पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। चूंकि इन तीनों ही राज्यों में आईपीएल की बड़ी फ्रेंचाइजी हैं और वहां अहम मुकाबले खेले जाने हैं, इसलिए चुनाव की तारीखों को ध्यान में रखकर ही मैचों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। बीसीसीआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सुरक्षा व्यवस्था और चुनावी रैलियों के साथ मैचों की तारीखें न टकराएं, इसी वजह से मैचों को अलग-अलग चरणों में तय किया जा रहा है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा सकता है ओपनिंग मैच

इस बार आईपीएल का आगाज बेहद खास होने वाला है, क्योंकि डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) मैदान में उतरेगी। आरसीबी ने अहमदाबाद में खेले गए पिछले सीजन के बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इसी महीने की शुरुआत में कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव संतोष मेनन ने इस बात की पुष्टि की है कि बेंगलुरु के मशहूर एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के पांच घरेलू मुकाबले खेले जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने इस बात के भी पुख्ता संकेत दिए हैं कि आईपीएल 2026 का शानदार ओपनिंग और फाइनल ब्लॉकबस्टर मुकाबला इसी ऐतिहासिक मैदान पर खेला जा सकता है।

टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में इन भारतीय बल्लेबाजों ने बनाए 300+ रन

नईदिल्ली, (आरएनएस)। टी-20 विश्व कप 2026 का खिताब भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने नाम किया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए खिताबी मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से करारी शिकस्त दी। साल 2007 और 2024 के बाद अब तीसरी बार भारत इस खिताब को जीतने में सफल हुआ। इस सफल अभियान में भारतीय बल्लेबाजों की अहम भूमिका रही। इस बीच एक संस्करण में 300 से अधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके विराट कोहली टी-20 विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2014 के संस्करण में 6 मैच खेलते हुए 106.33 की औसत से 319 रन अपने नाम किए थे। विशेष रूप से, भारत उस संस्करण के फाइनल में श्रीलंका से हारकर उपविजेता रहा था। इसके अलावा, कोहली 3 टी-20 विश्व कप संस्करणों में 250+ रन बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी हैं।

संजू सैमसन को शुरुआती मुकाबलों में भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। हालांकि, जब उन्हें चुना गया तो उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। इस खिलाड़ी ने 5 मैच की 5 पारियों में 80.25 की उम्दा औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाए। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 97* रन रहा। उनसे ज्यादा रन सिर्फ टिम साइफर्ट (326) और साहिबजादा फरहान (383) के बल्ले से निकले सैमसन उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए, जो टी-20 विश्व कप का खिताब जीतने के साथ-साथ प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। उनसे पहले केविन पीटरसन (2010), डेविड वार्नर (2021), सैम कर्रन (2022) और जसप्रीत बुमराह (2024) ऐसा कर चुके हैं।

ईशान किशन ने फाइनल में उम्दा बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक (54) लगाया। इस बीच उन्होंने सैमसन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। इस संस्करण में उन्होंने 9 पारियों में 35.22 की औसत और 193.29 की स्ट्राइक रेट के साथ 317 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 77 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 3 अर्धशतक लगाए। विकेटकीपर बल्लेबाज ने 18 छक्के और 33 चौके भी लगाए।

अर्शदीप के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

फाइनल में कीवी बल्लेबाज की ओर फेंकी थी गेंद

दुबई (ए.)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर आचारसंहिता उल्लंघन के लिए कार्रवाई कर सकती है। अर्शदीप ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल की ओर आक्रामक अंदाज में गेंद फेंकी थी जिससे शिकायत मिचेल ने अंपायर से भी की थी। आईसीसी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है।

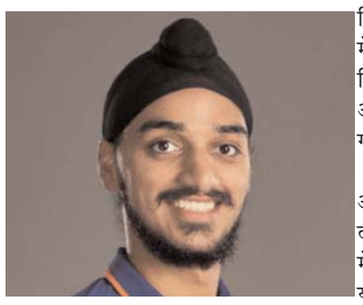

फाइनल मैच के दौरान अर्शदीप ने अपने दूसरे ओवर के दौरान गेंद को आक्रामक अंदाज में मिचेल की ओर फेंक दिया। यह गेंद सीधे मिचेल के कंधे पर जाकर लगी। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। मिचेल इस घटना से नाराज नजर आए और उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से शिकायत की। दोनों खिलाड़ियों के बीच स्थिति तनातनी बढ़ती देखकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच में आना पड़ा। उन्होंने किसी प्रकार से मामले को हल कराया। यह मामला आईसीसी आचार संहिता के तहत जांच के दायरे में आ सकता है। अगर किसी खिलाड़ी द्वारा बल्लेबाज की ओर खतरनाक तरीके से गेंद फेंकी जाती है, तो इसे खेल भावना के विपरीत माना जाता है। ऐसे मामलों को आमतौर पर लेवल-1 अपराध की श्रेणी में रखा जाता है।

वर्ल्ड क्रिकेट में भारत का दबदबा, 23 महीनों में 6 वर्ल्ड कप पर किया कब्जा

नईदिल्ली,(ए.)। भारतीय पुरुष टीम को 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार सबको यादा होगी. पूरे टूर्नामेंट में अजय रहने वाली भारतीय टीम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल किला नहीं फतह कर सकी. जिसकी वजह से खिलाड़ियों समेत करोड़ों फैंस का दिल टूट गया।

इस दिल तोड़ देने वाली हार के बाद भारतीय क्रिकेट ने जिस तरह से दुनिया भर में अपनी ताकत दिखाई है, वह वास्तव में ऐतिहासिक है. पिछले 23 महीनों में भारत ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के 7 टूर्नामेंट जीतकर न सिर्फ फैंस के टूटे दिल को जोड़ा है बल्कि विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा भी साबित किया है. इस ऐतिहासिक दौर की शुरुआत 2024 में हुई जब भारत की पुरुष टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतकर किया. लेकिन क्रिकेट की दुनिया में 2025 का साल भारत के लिए सुनहरा दौर रहा. इस साल भारत ने 4 आईसीसी इवेंट अपने नाम किए।

सैमसन ने सफलता का श्रेय पत्नी को दिया, उतार-चढ़ाव में साथ देने पर आभार जताया

मुम्बई (ए.)। टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपनी सफलता का श्रेय पत्नी को देते हुए कहा है कि जिस प्रकार उसने करियर के उतार-चढ़ाव में साथ दिया उसके लिए मैं उसका आभारी हूं। सैमसन

टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने पांच मैचों में 321 रन बनाये, जिसमें 199.37 का स्ट्राइक रेट रहा। इस दौरान लगातार तीन अर्धशतक लगाये। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड भी मिला। ऐसे में विश्वकप के बाद उनका पत्नी चारुलता पर प्यार उमड़ पड़ा। उन्होंने पत्नी के साथ तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया में लिखा, जिस दिन से मैं तुमसे मिला, तब से लेकर आज तक मेरे साथ रहने, मुझे वैसे ही प्यार करने और मेरे प्रति बिल्कुल सच्चे और ईमानदार रहने के लिए तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया। तुम बाहर की बातों पर ध्यान दिये बिना ही मेरे साथ खड़ी रहीं। तुमने मेरा साथ सबसे अच्छा और सबसे कठिन दौर भी देखा है। मेरे जिंदगी में क्रिकेट कितना मायने रखता है, यह समझने और इसे अपने लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण मानने के लिए तुम्हारा आभारी हूं। इस पल के लिए तुमने पूरे समर्पण के साथ सफलता की कामना की और सपना देखा जैसा मैंने किया। तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद। सैमसन को आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में भी शामिल किया गया है। सैमसन टूर्नामेंट की शुरुआत में अंतिम ग्यारह से भी बाहर थे पर सलामी जोड़ी के असफल होने से उन्हें अवसर मिला जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया।

टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

नईदिल्ली,(आरएनएस)। हाल ही में संपन्न हुए टी-20 विश्व कप 2026 में कई मैचों में टीमों ने बड़े स्कोर बनाए। भारतीय क्रिकेट टीम ने सेमीफाइनल और फाइनल मैचों में 250+ रन के स्कोर किए। भारत से संजू सैमसन और ईशान किशन ने इस संस्करण में 300 से अधिक रन बनाए और इस बीच कई बड़े छक्के देखने को मिले। इस बीच टी-20 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं। सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक 24 छक्के लगाए। भारतीय विकेटकीपर सैमसन को शुरुआती मुकाबलों में भारत की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था। हालांकि, जब उन्हें चुना गया तो उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। इस खिलाड़ी ने 5 मैच की 5 पारियों में 80.25 की उम्दा औसत और 199.37 की स्ट्राइक रेट के साथ 321 रन अपने नाम किए। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने इस संस्करण में 20 छक्के लगाए। इस सलामी बल्लेबाज ने कई अहम मुकाबलों में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने 8 पारियों में 49.66 की औसत और 200.00 की स्ट्राइक रेट के साथ 298 रन बनाए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए सेमीफाइनल मैच में सिर्फ 33 गेंदों में शतक पूरा किया था। वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बने थे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर भी इस सूची में शामिल हैं। उन्होंने 2026 में 7 मैचों की 7 ही पारियों में 41.33 की औसत और 186.46 की स्ट्राइक रेट के साथ 248 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 85 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 2 अर्धशतक लगाए। उन्होंने इस संस्करण में 19 छक्के और 16 चौके लगाए।

जनसुनवाई में बार-बार आवेदन के बाद भी मुखर्जी काम्पलेक्स से नहीं हटाया अवैधानिक जीना

अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए आवेदकों को होना पड़ रहा परेशान तो जनसुनवाई किस काम की?

नर्मदापुरम (निप्र)। जनसुनवाई में परेशान लोग ही आते हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि उनके आवेदन पर प्रशासन ध्यान देगा। अवैध कार्यों को बढ़ावा नहीं मिले इसके लिए आवेदक के आवेदन पर तत्काल सुनवाई होनी चाहिए। लेकिन मुखर्जी काम्पलेक्स के मार्ग पर मनमानी पूर्वक अतिक्रमण करते हुए जीना लगा दिया गया है। इस मामले में एक बार फिर मंगलवार को जिला प्रशासन के समक्ष और उसकी वही प्रति नगरपालिका को भी देने के बाद भी नगर पालिका के द्वारा सोचा विचारी की जाने के पीछे लोगों को कुछ और आशंका हो रही है। यह भी शंका हो रही है कि नगर पालिका की ही मिलीभगत से अवैध रूप से कहीं जीना लगाने की मौखिक छूट तो नहीं दे दी गई? ऐसी बातें हो रही है कि कहीं दिखाने के लिए नगर पालिका कागज में मना कर रही है और मौखिक रूप से जीना लगाने की छूट दे दी हो। क्योंकि बार बार जनसुनवाई में आवेदन देने के बाद भी नगर पालिका की जानबूझ कर अनदेखी किया जाना मामले अनेक तरह की शंका कुशंकाओं को जन्म दे रहा है।मंगलवार को दिए आवेदन में पुन: यही मांग की गई है कि मुखर्जी काम्पलेक्स के मार्ग पर जीना लगाने से संबंधित को ही फायदा हो रहा है। बांकी के रहवासी व व्यवसायियों को तो आवागमन में परेशानी ही होना है। 40 दुकानों का मार्केट है। मार्ग पर 4 फिट चौड़ा और 12 फीट ऊंचा जीना लगाकर रास्ते को संकरा कर दिया गया है। व्यापारियों के आवेदन पर पूर्व में 15 दिसंबर को नगर पालिका ने जीना को हटा दिया था। उसी स्थान पर पुन: जीना लगाने का प्रयास किए जाने पर व्यापारियों ने 24 फरवरी को प्रशासन को जनसुनवाई के माध्यम से अवगत कराया। लेकिन प्रशासन ने अनदेखी की। उसके बाद परेशान लोगों ने वनएटवन पर शिकायत दर्ज कराई। लेकिन उसके बाद भी प्रशासन ने कार्रवाई करने की कोई कोशिश नहीं की। तव संबंधितों को पुन: मंगलवार 10 मार्च को फिर से जनसुनवाई में आवेदन दिया है। लेकिन जिला प्रशासन और नगर पालिका के द्वारा उस आवेदन पर मंगलवार को ही कार्रवाई करना चाहिए था। जब मुख्यालय के लोग प्रशासन को बार बार आवेदन देकर अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग कर रहे हैं तो उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। ऐसी स्थिति में यदि ग्रामीण अंचल से कोई परेशान लोग आकर प्रशासन से मांग करते होंगे तो उनका क्या हाल होता होगा इससे अंदाजा लगाया जा सकता है।

नपा को ठेंगा दिखा कर पक्की कर ली सीढ़ी

अतिक्रमण करने वाले ने नपा को ठेंगा दिखाते हुए जो सीढ़ी कुछ कच्ची थी उसे मंगलवार को ही पक्की कर ली है। अब नपा की इच्छा हटाने की होगी तो उसे और परेशानी हो सकती है।

व्यापारी को आया अटैक

जिन व्यापारियों को सीढ़ी लगने से परेशानी है उसकी टेंशन बढ़ती जा रही है। शायद इसी कारण उसे अटैक आ गया है। उसको अचानक भोपाल लेकर जाना पड़ा उसका भोपाल में इलाज हो रहा है। लेकिन जिला प्रशासन और नगर पालिका को इससे फर्क पड़ता है।

शासन प्रशासन से ऊपर है नगर पालिका

जब विधानसभा में मंत्री, विधायक अतिक्रमण हटाने की बात करते हैं। प्रशासन स्तर पर कमिश्नर और कलेक्टर भी यही बात दोहराते हैं तो सवाल उठ रहा है कि नगर पालिका जिस अतिक्रमण को हटा चुकी है उसी जगह पर फिर से अतिक्रमण को हटाने में आंख क्यों मीच ली। क्या नगर पालिका शासन प्रशासन से ऊपर हो गई है?

आटा चक्की चलाने वाली गरीब महिला को अधिक रीडिंग के बिल

रीडिंग कम और राशि ज्यादा देकर परेशान हो रही महिला

नर्मदापुरम (निप्र)। शासन प्रशासन महिलाओं को रोजगार स्वरोजगार से जोड़ने के लिए अनेक योजनाएं चलाकर नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना चाहता है। आटा चक्की के लिए भी महिलाओं को आगे आने के लिए शासन स्तर से प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन आटा चक्की चलाने वाली महिला यदि ईमानदारी से कार्य कर रही हो उसके बाद भी उसे ज्यादा रीडिंग का बिल थमाया जाए तो यह अनावश्यक परेशान करना ही माना जाएगा। ऐसा ही कुछ अंकिता नगर मेकलसुता कालोनी निवासी एक गरीब महिला सावित्री गोस्वामी पत्नी धर्मेंद्र गोस्वामी के साथ हो रहा है। बैसे ही उनकी चक्की पर ज्यादा पिसाई नहीं आती है। उसके बाद जैसे तैसे चक्की चलाकर परिवार का पालन पोषण करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि चक्की चलाने के बाद जो राशि बचत के रूप में मिलना चाहिए वह पूरी की पूरी बिजली बिल में चली जा रही है। इस संबंध में उन्होंने बताया कि ऐसा ही पहले भी उनके साथ हुआ है। जिसकी शिकायत उन्हें भोपाल तक करना पड़ा था। उसके बाद उन्होंने बिजली कंपनी की पूरी राशि करीब 80हजार पाई पाई चुका दी। उनके यहां पर कम खपत होने के बाद भी ज्यादा रीडिंग आ रही है। बिजली कंपनी को तो आगे आकर ऐसी गरीब महिला की स्वयं मदद करनी चाहिए उन्हें पूरी पूरी सही सही जानकारी देनी चाहिए। लेकिन उन्हें तथा उनके पति को कामधाम छोड़कर बिजली बिल की समस्या के समाधान के लिए कभी जनसुनवाई में जाना पड़ता है कभी बिजली कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। जब उनके बिजली बिल में कोई कमी नहीं हुई तो मंगलवार को फिर उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन देकर समस्या से अवगत कराया है। उन्होने बताया कि जब से स्मार्ट मीटर लगा है तब से और अधिक रीडिंग के बिल आ रहे हैं जिससे गरीब परिवार की पीड़ा कम होने की बजाए और अधिक बढ़ गई है। उन्होनें मांग की है कि उनके मीटर की वास्तविक रीडिंग के अनुसार ही बिल प्रदान किया जाए। जो अधिक राशि जोड़ दी जा रही है उसे माफ किया जाए।

अमेरिका इजराइल की ईरान से लड़ाई का भारत में होने लगा असर

कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर रोक दी, घरेलू गैस की डिलीवरी में 4.5 दिन की देरी

नर्मदापुरम। इटारसी। (निप्र)। युद्ध से किसी का भला नहीं होता है। यह बात पूरा विश्व जानता है। इसके बाद भी युद्ध की विभिषिका चलती रहती है। अब जो अमेरिका.इजराइल की ईरान से लड़ाई हो रही है। उसका सीधा असर अभी से भारत में भी दिखने लगा है। युद्ध का सीधा असर एलपीजी गैस सिलेंडर पर पड़ा है। देश में एलपीजी गैस की किल्लत हो रही है। कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर रोक लगा दी है। मंगलवार से कॉमर्शियल गैस की बुकिंग और सप्लाई दोनों बंद हो गई है। जिससे होटल वालों की परेशानी शुरू हो चुकी है। क्योंकि होटल पर हर दिन टंकी की जरूरत होती है। इतना ही नहीं कॉलेज और स्कूली बच्चों की जो होस्टल होती हैं उनमें भी गैस की जरूरत पड़ती है। वहां पर भी गैस की किल्लत शुरू होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी। गैस एजेंसी पर सिलेंडर चाहने वालों की भीड़ लगने लगी है। वहीं अब घरेलू गैस की बुकिंग भी 4-5 दिन बाद होना शुरू कर दी गई है। डिलेवरी भी देर से होना है। इसलिए लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है। आने वाले दिनों में क्या हालत होंगे इसको लेकर ग्रहणी चिंता करने लगी है।

रसोई गैस दाम बढ़ने का कांग्रेस ने किया विरोध

कांग्रेस के द्वारा रसोई गैस के दाम अचानक बढ़ाए जाने पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। रसोई गैस के दाम बढ़ने के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने सड़क पर चूल्हे पर चाय बनाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही कांग्रेसियों ने जयस्तंभ चौक पर पैदल मार्च भी किया। इटारसी में नगर कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में हुई बढ़ोतरी के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने थाना परिसर से जयस्तंभ चौक तक पैदल मार्च निकाला और प्रदेश, केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। यह विरोध प्रदर्शन जिलाध्यक्ष शिवाकांत पांडेय गुड्डन भैया के नेतृत्व में किया गया।

एसीएस खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने की आगामी गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा

प्रदेश के कलेक्टर्स को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश में आगामी गेहूं उपार्जन की तैयारियों को लेकर अपर मुख्य सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने प्रदेश के कलेक्टर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी उपार्जन को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक गोदाम स्तरीय उपार्जन केंद्र चिन्हित किए जाएं, जिससे उपार्जित स्कंध का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जा सके। अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पंजीकृत किसानों का सत्यापन पूर्ण गंभीरता से किया जाए ।उपार्जन केंद्रों पर नॉन-एफएक्यू स्कंध के अपग्रेडेशन के लिए पंखा, छन्ना तथा ग्रेडर मशीन की उपलब्धता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गुणवत्ता परीक्षण के लिए निर्धारित योग्यता एवं दक्षता के अनुसार सर्वेयर की नियुक्ति करने के निर्देश भी दिए। साथ ही गुणवत्ता परीक्षण के कार्य में संलग्न कर्मचारियों एवं सर्वेयर का भारतीय खाद्य निगम के तकनीकी अमले की उपस्थिति में प्रशिक्षण आयोजित कराने के लिए भी निर्देशित किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान अपर मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि यदि सर्वेयर द्वारा किसी प्रकार की अनियमितता बरती जाती है तो अनुबंध की शर्तों के अनुसार सेवा प्रदाता एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।इस दौरान यह भी बताया गया कि समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में गुणवत्ता परीक्षण मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा। यह मोबाइल ऐप दो स्तरों पर कार्य करेगा, जिसमें उपार्जन केंद्र सर्वेयर ऐप के माध्यम से गुणवत्ता नियंत्रक (सर्वेयर) किसान के स्कंध की गुणवत्ता की प्रविष्टि करेंगे तथा अमानक पाए जाने पर 48 घंटे बाद पुन: प्रविष्टि का प्रावधान रहेगा। अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि उपार्जन अवधि के दौरान उपार्जन केंद्र नियमित रूप से संचालित रहें तथा केवल एफएक्यू गुणवत्ता वाले स्कंध का ही उपार्जन किया जाए। उपार्जन के दौरान उपार्जित स्कंध के समय सीमा में परिवहन की नियमित मॉनिटरिंग भी की जाए और किसानों को उपार्जित स्कंध का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए।

द्वितीय दिवस पंडित रामलाल शर्मा स्मृति समारोह 2026

सुबह उठकर जो राम-राम कहे वही सज्जन है- श्रीमती कृष्णा देवी

राम राम तेहि सुमिरन कीन्हा। हृदय हरस कपि सज्जन चीन्हा ।।

नर्मदापुरम (निप्र)। सत्संग चौक सेठानी घाट पर आयोजित पांच दिवसीय पंडित रामलाल शर्मा स्मृति समारोह के दूसरे दिन व्यासगादी से प्रवचन देते हुए श्रीमती कृष्णा देवी मिश्रा ने कहा कि श्री हनुमान जी और विभीषण जी की परिस्थितियों में कई समानताएं हैं। दोनों को ही श्री सीताराम जी अर्थात भगवान प्राप्ति के मार्ग में आने वाली कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ।श्री हनुमान जी जब माता सीता की खोज में यात्रा प्रारंभ करते हैं तो उनके रास्ते में अनेक विघ्न उपस्थित होते हैंए और अंत में वे सभी कठिनाइयों को पार कर मां जानकी के दर्शन करते हैं। यह उनके अखंड विश्वास के कारण होता है। इसी तरह जिस तरह लंका में राक्षसों के बीच रहकर भी विभीषण अपने घर में तुलसी के पौधे और रामायुध् अंकित घर में सुबह.सुबह राम राम सुमिरन करते हैं वह उनकी साधुता और सज्जनता का परिचय देता है। सुंदरकांड में आता है राम राम तेहि सुमिरन कीन्हा हृदय हरस कपि सज्जन

चीन्हा । अर्थात जो व्यक्ति सुबह उठकर भगवान का नाम स्मरण करता है यथार्थ में वही सज्जन है। आपने शरणागति प्रसंग को विस्तार देते हुए कहा कि हनुमान जी विभीषण को भ्राता कहकर संबोधित करते हैं अर्थात शरणागति की दृष्टिकोण से वे दोनों ही भगवान के दृढ़ भरोसे हैं । केवल श्री हनुमान जी एवं विभीषण ही नहीं वरन हम सब भी जैसे किसी बड़े चित्र में अंकित वस्तु चित्र का ही भाग होती है इस तरह भगवान के ही हैं। बस हमें अपने विश्वास को बनाए रखने की आवश्यकता है यदि हनुमान जी रूपी सद्गुरु हमें मिल जाते हैं तो हमारी नैया भी इस भवसागर से पार हो सकती है । श्रीमती कृष्णा देवी ने कथा प्रसंग के दौरान श्री रामकृष्ण परमहंस के कई संस्करणों के साथ.साथ कृति वास रामायण के भी विभिन्न प्रसंग का उल्लेख किया। कार्यक्रम के आरंभ में श्रीमती कृष्णा देवी का स्वागत पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत पंडित भवानी शंकर शर्मा के साथ एग्रो के जी मिश्र सागर शिवहरे वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी सन्तोष उपाध्याय महेंद्र चौकसे ओपी शर्मा ने किया स्वागत के पश्चात भजनांजली के अंतर्गत भजन गायक चित्रांश गोपाल अग्रवाल द्वारा सुमधुर भजन की प्रस्तुति दी गई ।

आपके साथ सक्षम पाठक द्वारा तबला आदित्य परसाई द्वारा हारमोनियम एवं गिटार पर यश मालवीय द्वारा सहयोग किया गया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती कृष्णा देवी के सुप्रसिद्ध शयन पद नैनों में नींद भर आई के द्वारा हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति सम्मान समारोह, 31 महिलाओं का हुआ सम्मान

नर्मदापुरम(निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुस्कान संस्था के सहयोग से नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली करीब 31 महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा एवं उप संचालक आदिम जाति विभाग आशा मौर्य उपस्थित रहीं। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी दीप्ति शुक्ला ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 6 मार्च से लगातार सांस्कृतिक, सामाजिक एवं विधिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज इन कार्यक्रमों के समापन दिवस पर नारी शक्ति सम्मान समारोह आयोजित कर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया है। मुस्कान संस्था की ओर से अंशिका रुद्रांश सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था हमेशा समाज सेवा एवं महिला सशक्तिकरण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही है और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों में सहयोग निरंतर जारी रहेगा।मुख्य अतिथि पीयूष शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास की आधारशिला है। जब महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त होंगी, तभी समाज और राष्ट्र प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने सभी सम्मानित महिलाओं को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर बनखेड़ी में कृषि विज्ञान मेला सम्पन्न

किसानों को दी गई उन्नत कृषि तकनीक जैविक व प्राकृतिक खेती की जानकारी

नर्मदापुरम। बनखेड़ी।(निप्र)। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर बनखेड़ी में पिपरिया विधानसभा के लोकप्रिय विधायक ठाकुरदास नागवंशी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए किसान भाई.बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में बनखेड़ी नगर पालिका के अध्यक्ष हरीश मालानी, अक्षय कृषि परिवार एवं भूमि सुपोषण अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक तथा नवल कोचिंग इंदौर के संचालक नवल रघुवंशी, भारतीय किसान संघ मध्यभारत के प्रांतीय अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर के उपाध्यक्ष उम्मेद सिंह पटेल मकरन सिंह पटेल सहसचिव केशव माहेश्वरी, सदस्य भूपेन्द्र सिंह पटेल विशेष आमंत्रित सदस्य विवेक महेश्वरी अनिल बारोलिया, कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, न्यास के प्रबंधक धर्मेन्द्र गुर्जर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सदस्य (मृदा विज्ञान) नीतिराज पटेल, उपसंचालक कृषि डॉ.रविकांत सिंह, उप परियोजना संचालक आत्मा गोविंद मीना, कृषि वैज्ञानिक डॉ. दीपक खांडे, प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संजीव कुमार गर्ग तथा कृषि एवं विभिन्न विभाग से पधारे अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे साथ नर्मदापुरम के विभिन्न विकासखंडो से आए हुए किसान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में उपसंचालक कृषि डॉ. रविकांत सिंह ने कार्यक्रम का परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस कृषि विज्ञान मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों के बीच उन्नत कृषि तकनीकों का प्रसार, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना तथा किसानों को नवीन कृषि नवाचारों से अवगत कराना है।

किसानों को दी गई उन्नत कृषि तकनीक जैविक व प्राकृतिक खेती की जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर बनखेड़ी में कृषि विज्ञान मेला सम्पन्न

किसानों को दी गई उन्नत कृषि तकनीक, जैविक व प्राकृतिक खेती की जानकारी

नर्मदापुरम(निप्र)। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजना अंतर्गत जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन मंगलवार 10 मार्च 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, बनखेड़ी में पिपरिया विधानसभा के लोकप्रिय विधायक ठाकुरदास नागवंशी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए किसान भाई-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में बनखेड़ी नगर पालिका के अध्यक्ष हरीश मालानी, नवल रघुवंशी, सर्वज्ञ दीवान, भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर के उपाध्यक्ष उम्मेद सिंह पटेल, मकरन सिंह पटेल, सहसचिव केशव माहेश्वरी, सदस्य भूपेन्द्र सिंह पटेल, विशेष आमंत्रित सदस्य विवेक महेश्वरी, अनिल बारोलिया, कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, न्यास के प्रबंधक धर्मेन्द्र गुर्जर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सदस्य (मृदा विज्ञान) नीतिराज पटेल, उपसंचालक कृषि डॉ.रविकांत सिंह, उप परियोजना संचालक आत्मा ी गोविंद मीना, कृषि वैज्ञानिक डॉ. दीपक खांडे, प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संजीव कुमार गर्ग तथा कृषि एवं विभिन्न विभाग से पधारे अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे साथ नर्मदापुरम के विभिन्न विकासखंडो से आए हुए किसान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में उपसंचालक कृषि डॉ. रविकांत सिंह ने कार्यक्रम का परिचय एवं रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस कृषि विज्ञान मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों के बीच उन्नत कृषि तकनीकों का प्रसार, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना तथा किसानों को नवीन कृषि नवाचारों से अवगत कराना है।

बाल एवं बंधक और बंधक श्रम (उन्मूलन) क्षमता संवर्धन संभागीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र)। मंगलवार को बाल एवं बंधक श्रम (उन्मूलन) क्षमता संवर्धन संभागीय कार्यशाला का आयोजन सांई कृष्णा रिजार्ट आई टी आई रोड नर्मदापुरम में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अभय सिंह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शैलेन्द्र कौरव अध्यक्ष बाल कल्याण समिति नर्मदापुरम, अमरजीत सिंह, यूनिसेफ, श्रीमती रजनी मालवीय, सहायक श्रमायुक्त नर्मदापुरम, जिला श्रम कार्यालय बैतूल एवं हरदा के अधिकारी जिला टास्क फोर्स समिति के सभी सदस्य तथा जिले के आद्यौगिक संगठन के प्रतिनधि उपस्थित रहे। कार्यशाला में बाल एवं बंधक श्रमिक अधिनियम अंतर्गत प्रावधानों की जानकारी दी गई। यूनिसेफ से उपस्थित अमरजीत कुमार सिंह द्वारा बाल श्रम से संबंधित स्टेट एक्शन प्लान की जानकारी दी गई तथा संभाग के समस्त जिलो की कार्ययोजना तैयार करने हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

!! कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम (म0प्र0) !!

ई-टेण्डरिंग निविदा वित्तीय वर्ष 2026-27

Email-hbdjail40@gmail.com

Email-jscjhbd@mp.gov.in

दूरभाष क्रमांक 07574-252428

ई-निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

म.प्र. जेल पूर्ति नियम 1968 एवं म.प्र. भण्डार क्रय नियम के अंतर्गत (फार्म (अ) नियम 6 देखिये)

समस्त पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि- केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में परिरूद्ध बंदियों के लिये खाद्य सामग्रियों, सब्जियां, फल, स्वच्छता सामग्री दवाईयां, भवन एवं अन्य आवश्यक सामग्रीयों के क्रय हेतु द्वितीय वार्षिक निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से बेवसाइट http//www.mptender.gov.in पर दिनांक 02.04.2026 को शाम 05.00 बजेतक आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यापारीगण संबंधित जेल की बेवसाइट पर जाकर निविदा की सूचना प्राप्त कर सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य शर्तो से संबंधित जानकारी उक्त बेवसाइट पर ही देखी जा सकेगी।

जी/27067/25 जेल अधीक्षक

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com